युगानुकूल

सितंबर 2025 मूल्य 25 रुपये

नवरचना

विकास के अनुकरणीय मॉडल आपके द्वार

स्वावलम्बन के पथ को आलोकित करता

दीनदयाल शोध संस्थान

दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित थारू जनजाति सांस्कृतिक संग्रहालय, इमिलिया कोडर, बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) में उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में "समर्थ उत्तर प्रदेश – विकसित उत्तर प्रदेश 2047" के तहत महिला समूह एवं श्रमिक संगठनों के साथ संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसके मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार सागर प्रमुख सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग उत्तर प्रदेश, जिलाधिकारी श्री पवन अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता एवं पचपेड़वा ब्लॉक के समस्त सहायता समूह की महिलाएं एवं अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहे।

जयपुर में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात के दौरान दीनदयाल शोध संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते संगठन सचिव श्री अभय महाजन और कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित व साथ में संस्थान के सदस्य श्री सुरेश बुगालिया भी उपस्थित रहे।

संस्थापक
नानाजी देशमुख

प्रबन्ध सम्पादक
अमिताभ वशिष्ठ

सम्पादक
राजेश दुबे

आवरण सज्जा एवं लेआउट
लक्ष्मी नारायण शुक्ला
अंशुमान सिंह
सतीश मालवीय

विशेष सहयोग
आशीष सक्सेना

प्रकाशक
अभय महाजन
दीनदयाल शोध संस्थान के लिये
7-ई, स्वामी रामतीर्थ नगर, रानी झांसी मार्ग, झण्डेवाला एक्स.,
नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित
दूरभाष : 23526735
ईमेल : dridelhi@dri.org.in
info@dri.org.in

मुद्रक :
प्रितिका प्रिंटर्स
ए-21/27, नारायण इण्ड. एरिया
दिल्ली-110028

पृष्ठ सं. 5 : चित्रकूट में हुई दीनदयाल शोध संस्थान साधारण सभा की वार्षिक बैठक, देश भर से प्रतिनिधियों की रही भागीदारी

पृ.सं. 7
साधारण सभा में राष्ट्रीय कार्यसमिति का हुआ पुनर्गठन, रायपुर के डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना बने दीनदयाल शोध संस्थान के नये अध्यक्ष

पृ.सं. 9 — तुलसी जयंती पर संत मोरारी बापू एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केवीके गनीवां परिसर में गोस्वामी तुलसीदासजी की प्रतिमा का किया अनावरण

दीनदयाल शोध संस्थान को "इंडियन अचीवर्स अवार्ड 2025" से किया गया सम्मानित 15
विश्व युवा कौशल दिवस पर जन शिक्षण संस्थान ने दी रोजगार परख प्रशिक्षणों की जानकारी 17
समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सवः चित्रकूट में 'भारत सांस्कृतिक यात्रा' का भव्य शुभारंभ 18
प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त हस्तांतरण कार्यक्रम का कृषि विज्ञान केंन्द्र ... 21
राज्य आनंद संस्थान की तीन दिवसीय आनंद सहयोगी कार्यशाला 26
दीनदयाल शोध संस्थान और सोनीपत के जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी... 28
रामनाथ आश्रमशाला विद्यालय में खेल प्रतियोगिता 29
सर्वोदय कॉलेज की छात्राओं का हुआ उद्यमिता विद्यापीठ में रोजगारोन्मुखी शैक्षणिक भ्रमण 30
कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन विषय पर प्रशिक्षण 32
आरोग्यधाम में कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन में 110 कार्यकर्ताओं के परिवार रहे उपस्थित 33
सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय में कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन 34
शान्ति देवी इंटर कालेज पहाड़ी में किया गया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 35
केवीके चित्रकूट में किसान सम्मेलन सह फसल प्रतियोगिता का आयोजन 37
कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा पंचायत स्तर पर ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण आयोजित 40
कृषकों को उन्नत किस्मों के बीज अरहर, तिल, मूंग एवं धान का किया गया वितरण 44
आरोग्यधाम में मानस पाठ पूजा एवं भण्डारा के साथ हुआ श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन 48
कृषि विज्ञान केन्द्र में पाँच दिवसीय प्राकृतिक कृषि पर कृषि सखियों का प्रशिक्षण... 50
श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास द्वारा 'अरण्यवासी श्रीराम व्याख्यानमाला' 53
आनंद का विरुद्धार्थी शब्द न होना, उसकी पूर्णता का प्रतीक - श्री अभय महाजन 57
पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती 59
कृषकों को आधुनिक कृषि की तकनीकियों एवं जैविक आदानों की जानकारी... 61

चित्रकूट के घाट पर भई संतन की भीर!
तुलसीदास चंदन घिसें तिलक देत रघुवीर!!

कहा जाता है कि चित्रकूट में भगवान श्री राम के अनन्य भक्त संत तुलसीदास जी को कलियुग में साक्षात प्रकट होकर प्रभु श्रीराम ने माथे पर तिलक लगाया था। चित्रकूट स्थान का अत्यन्त धार्मिक महत्व है। भगवान श्री राम ने अपने चौदह वर्ष के वनवास का साढ़े ग्यारह वर्ष चित्रकूट में माँ जानकी जी एवं भ्राता लक्ष्मण जी के साथ बिताया था। उस समय ये स्थान अत्यंत घने जंगलों, पहाड़ों से युक्त था एवं अत्यन्त मनोहारी था। 'चित्र' का अर्थ है 'सुन्दर' एवं 'कूट' का अर्थ है 'पर्वत'; अतः ऐसा स्थान जिसमें पर्वतों की सुन्दरता भी दृश्य हो। आज भी चित्रकूट रमणीय है, प्राकृतिक सुन्दरता से युक्त है, घने जंगल एवं सुन्दर पहाड़ हैं।

रामचरितमानस ऐसा महाकाव्य है, जिसने भगवान श्रीराम को हर घर तक पहुंचाया है, और गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित यह ग्रंथ न केवल साहित्यिक दृष्टि से अनुपम है बल्कि भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक भी है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने इसे 966 दिनों में रचा और इसके लिए उन्होंने अयोध्या से लेकर काशी तक, उन तमाम स्थानों का भ्रमण किया, जहां श्रीराम से जुड़े साक्ष्य मौजूद थे। ऐसे में आज भी इस कालजयी रचना की हस्तलिखित प्रति यूपी के चित्रकूट जिले के राजापुर में सुरक्षित रखी गई हैं।

राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख 1990 में जब चित्रकूट आए थे तब उन्होंने सबसे पहले कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां की आधारशिला रखी थी, और उस परिसर का नाम भी तुलसी परिसर रखा था। लेकिन उस दौरान गोस्वामी जी की प्रतिमा स्थापना का कार्य नहीं हो पाया था। गोस्वामी तुलसीदास जी की 528वीं जयंती श्रावण मास शुक्ल पक्ष सप्तमी के अवसर पर तुलसीदास परिसर कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां में पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा का अनावरण मानस मर्मज्ञ पूज्य संत मोरारी बापू एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया।

राम दर्शन में स्थापित गोस्वामी जी की प्रतिमा के अनुरूप ही हाथ में मोरपंखी लेकर ताम्र पत्र पर लिखते हुए लगभग साढ़े छह फीट की जीवंत स्वरूप में तुलसीदास जी की प्रतिमा स्थापित की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन व जन सहभागिता हेतु प्रचार-प्रसार की दृष्टि से चित्रकूट जनपद के सभी राजस्व ग्राम जिसमें 331 पंचायतों के हर ग्राम आबादी के लगभग प्रत्येक घर तक निमंत्रण पत्र के साथ तुलसीदास जी के जीवन दर्शन पर पुस्तिका और कलैण्डर देने का कार्य दीनदयाल शोध संस्थान के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया, कार्यक्रम में जन सहभागिता महत्वपूर्ण विषय रहा, इसलिए ऐसा प्रयास किया गया कि प्रत्येक ग्रामवासी इसे अपना कार्यक्रम समझे।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री योगी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास के दौरान चित्रकूट में ऋषि मुनियों के सानिध्य और उस समय भारत की सामाजिक व्यवस्था के आधार स्तंभ कोल, भील, निषाद जनजातियों के बारे में उल्लेख करते हुए हमारे शास्त्रों ने बहुत ही मनोरथ तरीके से उनका आदर्श प्रस्तुत करने का कार्य किया है। आज पूज्यपाद तुलसीदास जी की जयंती पर नाना जी की कर्म भूमि कृषि विज्ञान केंद्र पर आकर यहां के समाज मूलक प्रकल्पों का अवलोकन करने के साथ गोस्वामी तुलसीदास जी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। जिन लोगों ने वनवास काल के दौरान राम जी का सहयोग किया था अगर हम उन लोगों के प्रति राग द्वेष रखेंगे तो विकास का मार्ग प्रशस्त नहीं कर पाएंगे। परमानंद आश्रम पद्धति विद्यालय इस बात की ही प्रेरणा देता है।

– अमिताभ वशिष्ठ

चित्रकूट में हुई दीनदयाल शोध संस्थान साधारण सभा की वार्षिक बैठक, देश भर से प्रतिनिधियों की रही भागीदारी

राष्ट्रीय कार्यसमिति का हुआ पुनर्गठन, रायपुर के डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना बने दीनदयाल शोध संस्थान के नये अध्यक्ष

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान की वार्षिक साधारण सभा की बैठक 25 एवं 26 जुलाई को लोहिया सभागार दीनदयाल परिसर चित्रकूट में संपन्न हुई। इस वार्षिक बैठक में देश के सुदूर क्षेत्रों गोण्डा, बीड, नागपुर, दिल्ली, चित्रकूट आदि में संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से समाज, राष्ट्र में अपनी सेवायें दे रहे कार्यकर्ताओं सहित साधारण सभा के प्रतिनिधि के रूप में विविध क्षेत्रों के सामाजिक कार्यकर्ता देश भर के कोने-कोने से

सम्पर्क अधिकारी श्री सुरेशजी सोनी ने कहा कि सर्वसम्मति से लिये गए निर्णयों का शत-प्रतिशत पालन हो, क्रियान्वयन करने वालों को इस पर विशेष ध्यान देना होगा। संस्थान के कुछ प्रकल्प जैसे राम दर्शन, उद्यमिता विद्यापीठ, आरोग्यधाम, रसशाला को आत्मनिर्भर बनाएं।

सहभागी रहे। बैठक का शुभारंभ दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि से हुआ। जिसमें संस्थान के परिजनों के दिवंगतजनों तथा सुरक्षा बलों, सैनिकों, अर्धसैनिक बलों जो प्राकृतिक आपदाओं एवं आतंकवादी घटनाओं में जान गंवाने वाले सभी हुतात्माओं की आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं दीनदयाल शोध संस्थान के संपर्क अधिकारी श्री सुरेश सोनी, दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष श्री वीरेंद्रजीत सिंह, उपाध्यक्ष श्री उत्तम बनर्जी, प्रधान सचिव श्री अतुल जैन, कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित, संगठन सचिव श्री अभय महाजन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बैठक में दीनदयाल शोध संस्थान के गोंडा प्रकल्प प्रभारी श्री राम कृष्ण तिवारी, दिल्ली प्रकल्प के प्रभारी श्री अमिताभ वशिष्ठ, नागपुर महाराष्ट्र की प्रभारी श्रीमती मीरा ताई खड़क्कर, चित्रकूट प्रकल्प के प्रभारी डॉ. अनिल जायसवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

साधारण सभा बैठक में दीनदयाल शोध संस्थान गोंडा, बी, नागपुर,दिल्ली एवं चित्रकूट प्रकल्पों द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण एवं संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों का ग्राम स्तर पर लोगों तथा समाज पर हो रहे उसके प्रभाव का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, साथ ही पिछले वित्तीय वर्ष में किए गए कार्यों एवं सम्मिलित की गई कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन व उसके व्यापक परिणामों पर विचार विमर्श किया गया। इस वित्तीय वर्ष में किए जा रहे कार्यों का समाज पर और बेहतर प्रभाव की दृष्टि से योजना - रचना पर विस्तृत चर्चा की गई एवं पिछले वर्ष के तुलनपत्र का अनुमोदन भी सर्वसम्मति से किया गया।

सम्पर्क अधिकारी श्री सुरेशजी सोनी ने कहा कि सर्वसम्मति से लिये गए निर्णयों का शत-प्रतिशत पालन हो क्रियान्वयन करने वालों को इस पर विशेष ध्यान देना होगा। संस्थान के कुछ प्रकल्प जैसे राम दर्शन, उद्यमिता विद्यापीठ, आरोग्यधाम, रसशाला को आत्मनिर्भर बनाएं। समय के अनुसार अब दो प्रकार के मॉडलों पर विचार किया जा सकता है। समाज में अपरिमित ऊर्जा है उसका उपयोग कर ग्रामवासियों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाया जा सकता है क्योंकि भारत में परिवार मूल इकाई है हम वसुधैव कुटुम्बकम को मानते है। कभी भी संस्थाएं विकास का स्थाई विकल्प नहीं है। हमें स्थानीय निवासियों की सोच में परिवर्तन कर उन्हें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर उन्हें बेहतर दिशा में ले जाने का प्रयत्न करना होगा। यह विचार हम पूरे विश्व को प्रदान कर सकते हैं।

साधारण सभा में राष्ट्रीय कार्यसमिति का हुआ पुनर्गठन, रायपुर के डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना बने दीनदयाल शोध संस्थान के नये अध्यक्ष

देश भर से 12 पदाधिकारियों सहित 70 लोगों को किया गया शामिल

दीनदयाल शोध संस्थान की साधारण सभा में अखिल भारतीय कार्य समिति का पुनर्गठन किया गया है। प्रत्येक 5 वर्ष के अंतराल में गठित होने वाली नई समिति के लिए संस्थान के साधारण सभा की बैठक में अध्यक्ष की कमान डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना, ऑर्थोपेडिक सर्जन रायपुर के हाथों में सौंपी गई है। इनके अलावा प्रधान सचिव के रूप में नागपुर के श्री निखिल प्रभाकर मुंडले एवं संगठन सचिव के नाते श्री अभय महाजन को पुनः जिम्मेदारी दी गई है। कोषाध्यक्ष के लिए श्री वसंत पंडित चुने गए हैं।

नई कार्यसमिति में उपाध्यक्ष श्री उत्तम बनर्जी सतना, श्री अतुल जैन, श्री राम अवतार विंजराजका, डॉ. अनुपम मिश्रा एवं सचिव के रूप में इंदौर से श्री राजेश महाजन, श्री मनुवीर अग्रवाल, श्री भूपेंद्र मलिक, श्री अपराजित शुक्ला को चुना गया हैं। इसके अलावा मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमिताभ वशिष्ठ एवं महा प्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल को बनाया गया है। बैठक में नवीन कार्यकारिणी के चुनाव के लिए निवर्तमान अध्यक्ष श्री वीरेंद्रजीत सिंह द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना, ऑर्थोपेडिक सर्जन रायपुर का नाम अध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावित किया गया जिसका अनुमोदन सर्वसम्मति से सभी ने किया। उसके बाद सबकी सहमति मिलने के बाद चुने गए अध्यक्ष डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना द्वारा अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। नई टीम में 12 पदाधिकारियों सहित 70 लोगों को शामिल किया गया है। जिसमें प्रबंध समिति सदस्यों में 22 लोगों को तथा पदेन सदस्यों में 12 लोग, विशेष सदस्य के रूप में 13 लोग तथा साधारण सभा के सदस्यों के रूप में 23 लोगों को नई टीम में शामिल किया गया है। नई टीम का यह कार्यकाल 2025 से 2030 तक 5 वर्षों के लिए रहेगा। सभी ने पूरी निष्ठा व लगन से संस्थान की कार्य पद्धति के

अनुरूप काम करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के संपर्क अधिकारी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री सुरेशजी सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्थान के साथ जुड़ने वाले लाखों लोग हैं, लेकिन पदाधिकारी कुछ ही होते हैं। नए लोग आते हैं, पुराने लोग जाते हैं यह क्रम चलता रहता है। सब पूरी ऊर्जा के साथ पुनः खड़े हों, एक आइडियल हमारा काम खड़ा हो। जब परिस्थितियां बदलती हैं तो उस अनुरूप हमें अपने कार्यों का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत महसूस होती है। साथ ही कुछ एक कार्यों में समय अनुकूल परिवर्तन करने की आवश्यकता लगती है। हमें भी परिस्थिति अनुरूप नये परिवेश में अपने आपको ढ़ालने का प्रयास करना होगा। नवीन दायित्व के साथ नई टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

अध्यक्ष डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सबके सहयोग के बगैर कोई भी कार्य दक्षतापूर्वक चलाना संभव नहीं होता है। ग्राम विकास की दिशा में, कौशल विकास की दिशा में दीनदयाल शोध संस्थान का नवाचार किस तरह हो सकता है। इस दिशा में संस्थान के क्या शोध हो सकते हैं और नवाचार की दिशा में आगे बढ़े। युगानुकूल नवाचार की दिशा में नए लोगों के अनुभवों का लाभ हमें मिलेगा यही अपेक्षा रखते हैं।

तुलसी जयंती पर संत मोरारी बापू एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केवीके गनीवां परिसर में गोस्वामी तुलसीदासजी की प्रतिमा का किया अनावरण

- हाथ में मोरपंखी लेकर ताम्रपत्र पर लिखते हुए लगभग साढे.छह फीट की जीवंत स्वरूप में तुलसीदास जी की प्रतिमा स्थापित
- समाज और सरकार मिलकर काम करती है तो साकार परिणाम सामने आते हैं , दीनदयाल शोध संस्थान का यह आयोजन इसका जीता जागता उदाहरण - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां में गोस्वामी तुलसीदास जी जयंती श्रावण मास शुक्ल पक्ष सप्तमी के अवसर पर तुलसीदास परिसर कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां में पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा का अनावरण मानस मर्मज्ञ पूज्य संत मोरारी बापू एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, कृषि मंत्री श्री सूर्यप्रताप शाही, चित्रकूट के प्रभारी मंत्री श्री मनोहर लाल कोरी, महामंडलेश्वर श्री संतोषाचार्य महाराज सतुआ बाबा, दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री निखिल प्रभाकर मुंडले, राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अपने निर्धारित समय अनुसार ठीक 12:05 पर मुख्यमंत्री का उड़न खटोला कृषि विज्ञान केन्द्र के हेलीपैड पर उतर गया। पूरे 1 घंटा 30 मिनट मुख्यमंत्री केवीके परिसर के कार्यक्रमों में उपस्थित रहे।

गनीवां में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परमानंद आश्रम विद्यालय के बच्चों को चॉकलेट बांटी, मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनका मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने बच्चों से संवाद कर उनका हालचाल भी जाना और शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

प्रतिमा अनावरण के उपरांत

तुलसी परिसर में ही स्थित परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां में मुख्यमंत्री ने जन सभा को संबोधित किया। शुरुआत में दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव निखिल प्रभाकर मुंडले द्वारा मुख्यमंत्री सहित मंचासीन सभी अतिथियों को तुलसीदास जी का विग्रह भेंटकर अभिनंदन किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रद्धेय नाना जी की कर्म स्थली और तुलसीदास जी की जन्मस्थली एवं आदि कवि महर्षि वाल्मीकि लालापुर की पावन धरा को कोटि-कोटि प्रणाम करते हुए आप सबका हृदय से अभिनंदन करता हूं। प्रभु श्रीराम ने चित्रकूट वनवास के दौरान ऋषि मुनियों के सानिध्य और उस समय भारत की सामाजिक व्यवस्था के आधार स्तंभ कोल, भील, निषाद जनजातियों के बारे में उल्लेख करते हुए हमारे शास्त्रों ने बहुत ही मनोरथ तरीके से उनका आदर्श प्रस्तुत करने का कार्य किया है। आज पूज्यपाद तुलसीदास जी की जयंती पर नाना जी की कर्म भूमि कृषि विज्ञान केंद्र पर आकर यहां के प्रमुख समाज मूलक प्रकल्पों का अवलोकन करने के साथ गोस्वामी तुलसीदास जी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। मैं इसके लिए दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री मुंडले जी और श्री अभय महाजन जी का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

बहिनों भाइयों जब चित्रकूट की चर्चा होती है तो मुझे ध्यान में आता है कि प्रधानमंत्री जी ने मुझसे कहा था सबसे पहले बुंदेलखंड के विकास के लिए कार्य करना है, सबसे पहले हमें जनजाति समाज को सर्व सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य करना है। यह सब करके हमने उनके ऊपर कोई उपकार नहीं किया वह तो प्रभु श्री राम के वनवास काल के दौरान इन जनजाति समाज और उनके पूर्वजों ने जो किया था उसका परिणाम स्वरूप प्रयास है।

आज बुंदेलखंड में दलहन, तिलहन, मकई का दायरा बढ़ा है। 2014 के पूर्व मिट्टी के स्वास्थ्य की किसी को जानकारी नहीं थी, पहली बार मोदी जी ने व्यापक पैमाने पर देश भर में सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किया, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना शुरू की। इससे सिंचाई का दायरा बढ़ा है, बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में अभी लोग तीन-

तीन फसलें लेना शुरू किए हैं। पहले इस क्षेत्र को जोड़ने का कोई मार्ग नहीं था आज बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे बन गया है। रोपवे चित्रकूट में बन गए हैं, कामदगिरि परिक्रमा मार्ग को और बेहतर बनाने का कार्य हो रहा है, मंदाकिनी जी की स्वच्छता को लेकर भी एक बड़े पैमाने पर कार्य शुरू हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि याद करिए 1990 में जब इस क्षेत्र में नानाजी देशमुख आए थे, नाना जी सबके प्रति व्यवहारिक दृष्टिकोण रखते थे। श्रद्धेय नाना जी ने अपने प्रचारक कार्यकाल की शुरुआत गोरखपुर से ही की थी, नाना जी ने गोरखपुर में शिशु मंदिर के रूप में जो बीज रोपा था आज वह विशाल वट वृक्ष बनकर उसकी शाखाएँ देश भर में स्थापित हो चुकी है। जिन लोगों ने वनवास काल के दौरान राम जी का सहयोग किया था अगर हम उन लोगों के प्रति राग द्वेष रखेंगे तो विकास का मार्ग प्रशस्त नहीं कर पाएंगे। परमानंद आश्रम पद्धति विद्यालय इस बात की ही प्रेरणा देता है। अभी तक

यह विद्यालय पांचवी तक संचालित था अब इसे और अच्छी तरह से पूरी व्यवस्थाओं के साथ दसवीं तक संचालित करेंगे। प्रभु श्री राम ने जिस तरह से दंडकारण्य से लेकर सुदूर पंचवटी तक धनुष उठाकर राक्षसों का संहार किया था उसी तरह चित्रकूट का यह डिफेंस कॉरिडोर भी उसी का परिचायक है। देश की सुरक्षा के लिए मजबूत दीवार खड़ी करेंगे।

जब समाज और सरकार मिलकर काम करती है तो साकार परिणाम सामने आते हैं, दीनदयाल शोध संस्थान का यह आयोजन इसका जीता जागता उदाहरण है, उसी को लेकर आज हम यहां मौजूद हैं। मोदी जी का सपना है कि 2047 में भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बने उसके लिए हमें आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करना होगा। इसके लिए नाना जी द्वारा स्थापित ग्रामोदय विश्वविद्यालय ग्राम विकास की प्रयोगशाला के रूप में एक संजीवनी का कार्य कर रहा है। एक श्रेष्ठ भारत और विकसित भारत के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा। चित्रकूट के विकास को लेकर जो भी कार्य है उसके लिए हमारी सरकार पूरी निष्ठा से कार्य करेगी।

सभा स्थल के प्रमुख मंच के दाहिने तरफ संत समाज के लिए अलग से मंच बनाया गया, जहाँ चित्रकूट के सभी प्रमुख अखाड़े और मंदिरों से महंत गण और संत समाज विराजमान रहा और वहीं दूसरी ओर संस्कृति विभाग के सहयोग से भजन मंडली द्वारा भजनों एवं तुलसी महिमा व रचनाओं की आकर्षक प्रस्तुति की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के ही अंतर्गत अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए संचालित परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां के बच्चों एवं कृष्णा देवी वनवासी बालिका विद्यालय मझगवां की वनवासी बच्चियों द्वारा मनमोहक आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने बताया कि राम दर्शन में स्थापित गोस्वामी जी की प्रतिमा के अनुरूप ही हाथ में मोरपंखी लेकर ताम्र पत्र पर लिखते हुए लगभग साढ़े छह फीट की जीवंत स्वरूप में तुलसीदास जी की प्रतिमा स्थापित की गई है। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु प्रचार-प्रसार की

दृष्टि से चित्रकूट जनपद के सभी राजस्व ग्राम जिसमें 331 पंचायतों के हर ग्राम आबादी के लगभग प्रत्येक घर तक निमंत्रण पत्र के साथ तुलसीदास जी के जीवन दर्शन पर पुस्तिका और कलेण्डर देने का कार्य दीनदयाल शोध संस्थान के कार्यकर्ता पिछले 1 माह से कर रहे थे। कार्यक्रम में जन सहभागिता महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए ऐसा प्रयास किया गया कि प्रत्येक ग्रामवासी इसे अपना कार्यक्रम समझे।

तुलसी कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में एक दिन पूर्व ही रामचरित मानस पाठ का शुभारंभ हो चुका था जिसकी पूर्णाहुति भी तुलसी जयंती पर हुई। कार्यक्रम के उपरांत भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के जिलों से पधारे प्रमुख गणमान्यजनों सहित चित्रकूट जनपद के हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री जी द्वारा केवीके परिसर में हरिशंकरी वाटिका और नवग्रह वाटिका के वृक्षों का किया गया रोपण

इस दौरान केवीके परिसर में जन आंदोलन एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत मुख्यमंत्री जी द्वारा पीपल, बरगद, पाकर तीनों वृक्षों का रोपण कर हरिशंकरी वाटिका की स्थापना की गई वहीं दूसरी ओर केवीके परिसर में ही नवग्रह वाटिका की स्थापना की गई जिसके अंतर्गत नौ ग्रहों से संबंधित नौ पेड़ सूर्य के लिए मदार, चंद्रमा के लिए पलाश, मंगल के लिए खैर, बुध के लिए अपामार्ग, गुरु के लिए पीपल, शुक्र के लिए गूलर, शनि के लिए शमी, राहु के लिए दूर्वा और केतु के लिए कुश के वृक्षों का रोपण किया गया।

कृषि की संकटग्रस्त प्रजातियों के प्रदर्शन के साथ लगाई गई विशिष्ट प्रदर्शनी

तुलसी कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां, गनीवां, कृषि विभाग चित्रकूट द्वारा संकटग्रस्त प्रजातियों के प्रदर्शन के साथ श्री अन्न के मूल्यवर्धित व जैविक कीटनाशकों का प्रदर्शन, मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद एवं जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट तथा उद्यमिता विद्यापीठ द्वारा आत्मनिर्भर तथा स्वावलम्बी बनाने हेतु संचालित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बनाये गए उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। कृषक उत्पादक संगठन के द्वारा तैयार उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया।

मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान, दीनदयाल शोध संस्थान एवं जन अभियान परिषद के मध्य त्रिपक्षीय एमओयू

भोपाल/ मुख्यमंत्री एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 4 अगस्त को दो अलग-अलग विषयों से जुड़े समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में एक संक्षिप्त कार्यक्रम में हुए इन एमओयूस को हस्ताक्षरित कर संबंधित पक्षों द्वारा आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी पक्षों को बधाई देते हुए कहा कि हम सब मिलकर प्रदेश के विकास के लिए काम करेंगे। पहला त्रिपक्षीय एमओयू राज्य आनंद संस्थान, भोपाल, दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट एवं मप्र जन अभियान परिषद, भोपाल के मध्य हुआ। इस एमओयू का उद्देश्य तीनों संस्थानों द्वारा आपसी प्रशिक्षण के जरिए प्रदेश में आनंद ग्रामों के विकास तथा सतत् विकास के लक्ष्य पर आधारित ग्राम विकास अवधारणा के क्रियान्वयन की साझा पहल करना है। दूसरा द्विपक्षीय एमओयू म.प्र. जनअभियान परिषद, भोपाल और नर्मदा समग्र, भोपाल के बीच हुआ। इस एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थानों द्वारा मध्य प्रदेश में नदी संरक्षण से जुड़े विविध आयामों पर नागरिकों की मनःस्थिति और वर्तमान परिस्थिति बदलने के लिए साझा प्रयास करना है।

म.प्र. जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, अपर मुख्य सचिव, नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ल, प्रमुख सचिव आनंद विभाग श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, राज्य आनंद संस्थान के सीईओ श्री आशीष कुमार गुप्ता, जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़, दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के संगठन सचिव श्री अभय महाजन, संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित, नर्मदा समग्र न्यास, भोपाल के अध्यक्ष श्री राजेश दवे, सचिव श्री करण सिंह कौशिक एवं मुख्य कार्यकारी श्री कार्तिक सप्रे सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एमओयू की पृष्ठभूमि

म.प्र. जन अभियान परिषद अपने लक्षित उद्देश्यों के अनुरूप स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं स्वावलंबन के माध्यम से शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों में आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित कर लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रयत्नशील है। इसके लिए परिषद निरन्तर विशेषज्ञता वाले शासकीय विभागों और संगठनों के साथ एमओयू करके सभी पक्षों की सहमति, सहयोग और समन्वय से कार्यक्रमों और आयोजनों की रूपरेखा तैयार करती है। परिषद के साथ सोमवार को हुए पहले त्रिपक्षीय एमओयू का उद्देश्य यह है कि तीनों संस्थान एक-दूसरे की विशिष्टताओं और विशेषज्ञताओं का लाभ लेकर प्रदेश के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान करें। दूसरे द्विपक्षीय एमओयू का उद्देश्य अविरल, निर्मल और कल-कल करती मां नर्मदा नदी के साथ-साथ इसकी सहायक नदियों को भी पुनर्जीवन प्रदान करने में आपसी सहयोग और समन्वय से विशेष रणनीति बनाकर इसे नदी संरक्षण की दिशा में तेजी से लागू करना है।

12वां राष्ट्रीय सीएसआर शिखर सम्मेलन में दीनदयाल शोध संस्थान को "इंडियन अचीवर्स अवार्ड 2025" से किया गया सम्मानित

"उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धियों और समाज सेवा में योगदान" के लिए मिला पुरस्कार

नई दिल्लीः 12वां राष्ट्रीय सीएसआर शिखर सम्मेलन और सीएसआर टाइम्स पुरस्कार 15 जुलाई को ली मेरिडियन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर एक प्रमुख पत्रिका, सीएसआर टाइम्स द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में "2047 तक मिशन विकसित भारत में सीएसआर की भूमिका" विषय पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन जयराम गडकरी थे। मुख्य अतिथियों में श्रीमती रेखा शर्मा, संसद सदस्य (राज्यसभा), श्रीमती स्मिता वाघ, माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), भारत सरकार (जिन्हें संसद भारती सम्मान भी प्राप्त है), माननीय श्री मारियानो अगस्टिन कासिनो, भारत में अर्जेंटीना के राजदूत, माननीय सुश्री जैकलीन मुकंगीरा, उच्चायुक्त, रवांडा गणराज्य के उच्चायोग, श्री बुई टुंग थुओंग, व्यापार सलाहकार-वियतनाम दूतावास के व्यापार कार्यालय प्रमुख, और ईवा कोपेका, चेक गणराज्य दूतावास के वाणिज्यिक एवं आर्थिक अनुभाग प्रमुख शामिल थे। शिखर सम्मेलन में अन्य विशिष्ट अतिथियों के अलावा श्री सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी, सेवानिवृत्त आईएएस, महानिदेशक - भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, डॉ. रश्मि सिंह, आईएएस, सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी) दिल्ली सरकार, सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

> सीएसआर टाइम्स द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में "2047 तक मिशन विकसित भारत में सीएसआर की भूमिका" विषय पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संचालित इस शिखर सम्मेलन में देश भर के व्यापारिक नेताओं, सीएसआर पेशेवरों और कई पुरस्कार विजेताओं सहित 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जबकि 2,000 से अधिक प्रतिभागी लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से जुड़े।

यह आयोजन हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप आयोजित किया गया है, क्योंकि यह राष्ट्र स्वयं को वैश्विक दक्षिण की आवाज़ और दुनिया भर के विकासशील देशों के लिए एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित कर रहा है। सीएसआर टाइम्स के प्रकाशक एवं प्रबंध संपादक श्री हरीश चंद्र ने अपने उद्घाटन भाषण में विकसित भारत में सीएसआर के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा, "उद्यमों की प्रतिबद्धता से लेकर समावेशी शिक्षा और कौशल विकास तक, सीएसआर हितधारक भविष्य के आवश्यक वास्तुकार हैं।"

माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहाः "हम अपने समाज से जो लेते हैं, वही हमें उन्हें वापस देना चाहिए। अपने सकारात्मक प्रयासों से हम अपने समाज के पिछड़े वर्गों को बदल सकते हैं।" उन्होंने ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में अपने कार्यों पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि हमारे समाज को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाती है और भारत में ग्रामीण और कृषि विकास पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अंत में कहा, "गाँव का पानी गाँव में, खेत का पानी खेत में, घर का पानी घर में।"

श्री गडकरी ने सीएसआर पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और बेहतर भारत के निर्माण की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की। श्री नितिन गडकरी ने सीएसआर टाइम्स की एक नई पहल, शिक्षा भारती सर्वेक्षण का भी अनावरण किया, जो विभिन्न प्रमुख मानदंडों पर शैक्षणिक संस्थानों के सर्वेक्षण पर केंद्रित है।

समारोह में सीएसआर परियोजनाओं को सम्मानित किया गया, जिन्हें डॉ. भास्कर चटर्जी, एयर मार्शल श्री वीपीएस राणा, श्री रविशंकर, श्री केसी श्रीनाथ और प्रो. पुष्पांजलि झा की एक सम्मानित जूरी द्वारा संचालित एक कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। कुछ प्रमुख विजेताओं में स्वर्गीय श्री सुभाष गुप्ता (लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (मरणोपरांत), एसबीआई फाउंडेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, मारुति सुजुकी इंडिया, कृषि विकास प्रतिष्ठान, नागपुर, ग्रासिम इंडस्ट्रीज आदि शामिल थे।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान को "इंडियन अचीवर्स अवार्ड 2025" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार "उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धियों और समाज सेवा में योगदान" के लिए दिया गया। उपरोक्त पुरस्कार संस्थान के **मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमिताभ वशिष्ठजी** ने ग्रहण किया।

विश्व युवा कौशल दिवस पर जन शिक्षण संस्थान ने दी रोजगार परख प्रशिक्षणों की जानकारी

शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को कम करने "ए आई एवं डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण" की थीम पर जेएसएस ने मनाया विश्व युवा कौशल दिवस

चित्रकूट/ कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित तथा दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस **"ए आई एवं डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण"** की थीम के साथ मऊ में सम्पन्न हुआ।

जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह ने संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न रोजगार परख प्रशिक्षणों की विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं बताया कि विश्व युवा कौशल दिवस का उद्देश्य शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को कम करना, युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना, बेरोजगारी को कम करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

कौशल विकास के लिए बदलते कार्य, वातावरण के अनुकूल रोजगार क्षमता को बढ़ाने और उनके आजीविका के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह उत्पादकता और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने में कौशल विकास की भूमिका पर विशेष बल देता है, साथ ही प्रत्येक वर्ष 15 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व युवा कौशल दिवस दुनिया भर में युवाओं के विकास और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण महत्व रखता है।

डिजिटल सशक्तिकरण का उद्देश्य लोगों को डिजिटल दुनिया में सक्रिय और सार्थक रूप से भाग लेने में सक्षम बनाना है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके साथ ही यह समावेशी विकास और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में मदद करती है। युवाओं को रोजगार, उद्यमिता और स्थायी आजीविका के लिए आवश्यक कौशल और योग्यता इससे जुड़कर आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगारी बनें।

ऑन लाइन कंप्यूटर सेंटर के निदेशक श्री आशीष सोनी ने कहा यह सरकारों, शैक्षिक संस्थानों, नियोक्ताओं और संगठनों को प्रशिक्षण, शिक्षा में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो युवाओं के कौशल और क्षमताओं को बढ़ाते हैं, जिससे वे श्रम बाजार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग ले सकें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री राघवेंद्र सिंह जिला महामंत्री भाजपा ने कहा कि हमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर स्वावलंबी बनना होगा। भारत सरकार बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कई योजनाएँ संचालित कर रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य आप सभी युवाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना और देश के विकास में योगदान देना है जिनका लाभ प्राप्त कर हम आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बन सकते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री सुघर सिंह ने तो वहीं धन्यवाद ज्ञापन सहायक परियोजना समन्वयक श्री प्रभाकर मिश्र ने किया। कार्यक्रम में अनुदेशक सुश्री आरती सोनी, सुश्री प्रीति सोनी, श्री अम्बरीष सोनी सहित 79 महिलाओं एवं 25 पुरुषों ने प्रतिभाग किया।

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सवः चित्रकूट में 'भारत सांस्कृतिक यात्रा' का भव्य शुभारंभ

उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला ने किया वर्चुअल उद्घाटन, लोकनृत्य और शास्त्रीय प्रस्तुतियों ने मोहा मन

चित्रकूट/ उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दीनदयाल शोध संस्थान के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय 'भारत सांस्कृतिक यात्रा' कार्यक्रम का शुभारंभ दीनदयाल शोध संस्थान, सुरेन्द्र पॉल ग्रामोदय विद्यालय के विवेकानंद सभागार में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया।

अपने संदेश में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है, जो विविध भाषाओं, कलाओं, संगीत और परंपराओं के अद्भुत संगम से सजी है। उन्होंने कहा, "यह विविधता ही हमारी असली ताकत है, और जब हम इसे एक सूत्र में पिरोते हैं, तो यह एक सशक्त सांस्कृतिक पहचान के रूप में उभरती है।" उन्होंने उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निरंतर आयोजित हो रहे ऐसे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

इस दौरान चित्रकूट धाम के गौरव में प्रमुख तीन विभूतियां क्रमशः पूज्य पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज को भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा साहित्य के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार, डॉ. बी के जैन जी, निदेशक एवं ट्रस्टी, सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट को पद्मश्री सम्मान एवं डॉ. भरत मिश्रा जी, कुलगुरु के प्रयास से महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट को प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा AA+ ग्रेड एवं यूजीसी द्वारा श्रेणी वन की स्वायत्तता प्राप्त हुई है। इसके लिए दीनदयाल शोध संस्थान, साधु संत एवं चित्रकूट वासियों की ओर से डीआरआई के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन द्वारा सांस्कृतिक मंच से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गायत्री शक्ति पीठ के प्रबंधक डॉ. रामनारायण त्रिपाठी, नगर पंचायत चित्रकूट की अध्यक्ष साधना पटेल, जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष श्री

अशोक जाटव, बांदा कोपरेटिव बैंक के चेयरमैन श्री पंकज अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत राजस्थान से आईं सुश्री ममता राठौर एवं दल द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक कालबेलिया और घूमर नृत्य से हुई, जिसने दर्शकों को राजस्थानी लोकजीवन की झलक दिखाते हुए तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गुंजायमान कर दिया। इसके पश्चात लखनऊ की कलाकार सुश्री नेहा सिंह सैंगर एवं उनके दल ने कथक नृत्य-नाटिका के माध्यम से मानव सभ्यता के विकास, प्रकृति के दोहन और शांति की खोज जैसे गंभीर विषयों को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया।

इसके बाद रीवा की सुश्री विनीता दोहरे ने पारंपरिक बधाई नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं सुश्री अजिता द्विवेदी एवं उनके दल ने बघेली लोकगायन के माध्यम से बुंदेली-संस्कृति की मिठास से भरपूर प्रस्तुति दी। इसके साथ ही शिखा पाल एवं दल ने फाग नृत्य, और करिश्मा केसरी ने शास्त्रीय भरतनाट्यम की अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी निदेशक श्री आशीष गिरि ने कहा कि 'भारत सांस्कृतिक यात्रा' का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर लाकर उसे उत्सव का रूप देना है, जिससे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना और मजबूत होती है। कार्यक्रम प्रभारी श्री एम.एम. मणि द्वारा सभी कलाकारों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, कला प्रेमी और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमा प्रदान की।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना का तीन दिवसीय चित्रकूट प्रवास, जनजातीय बच्चों से की खास मुलाकात

डीआरआई के प्रकल्पों का किया विजिट, सियाराम कुटीर पहुंचकर नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर किया पुष्पार्चन

चित्रकूट/ राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री किशोर मकवाना अपने तीन दिवसीय चित्रकूट प्रवास पधारे, उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों का अवलोकन किया। श्री मकवाना सियाराम कुटीर (भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख जी का आवास) उनके कक्ष में पहुंचकर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर डीआरआई के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल द्वारा रामदर्शन की पेंटिंग एवं पुस्तक भेंट की गई।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना को सर्वप्रथम आरोग्यधाम में दिशा दर्शन केन्द्र के प्रभारी श्री विनीत श्रीवास्तव द्वारा दीनदयाल शोध संस्थान की गतिविधियों और पं दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानवदर्शन का प्रजेंटेशन दिया गया। उसके बाद दीनदयाल शोध संस्थान के रामनाथ आश्रमशाला पीली कोठी में जनजातीय बच्चों से रुबरु हुए, उनका हालचाल जाना और दैनिक गतिविधियों पर चर्चा की, फिर कामदगिरि दर्शन करने पहुंचे।

अपने प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को सियाराम कुटीर पहुंचकर **'भारतरत्न'** राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर गनीवां के लिए प्रस्थान किया। वहाँ तुलसी कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां की कृषि गतिविधियों और इकाइयों का भ्रमण किया। उसके बाद अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए संचालित परमानंद आश्रम पद्धति विद्यालय के बच्चों से चर्चा किये। वहाँ से लौटकर आरोग्यधाम परिसर, रामदर्शन एवं दीनदयाल परिसर का भ्रमण किया और गुरुकुल संकुल के बच्चों से भी रुबरु हुए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त हस्तांतरण कार्यक्रम का कृषि विज्ञान केंन्द्र में किसानों के बीच हुआ सजीव प्रसारण

कार्यक्रम में मंत्री प्रतिमा बागरी और सांसद गणेश सिंह सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद

मझगवां/ मा. प्रधानमंत्री जी ने वाराणसी, उत्तर प्रदेश से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त हस्तांतरित किया। जिसका सजीव प्रसारण कार्यक्रम दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंन्द्र, मझगवॉ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. श्री अभय महाजन, संगठन सचिव, दीनदयाल शोध संस्थान ने की एवं मुख्य अतिथि मा. श्रीमती प्रतिमा बागरी, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि मा. श्री गणेश सिंह, सांसद, सतना, विशिष्ट अतिथि श्री रामखेलावन कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि योगेश ताम्रकार, महापौर, सतना, विशिष्ट अतिथि डॉ. सतीश कुमार एस, कलेक्टर, सतना, विशिष्ट अतिथि सुश्री संजना जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, सतना (म.प्र.), विशिष्ट अतिथि रेणुका जायसवाल, अध्यक्षा, जनपद पंचायत, मझगवां, विशिष्ट अतिथि श्री वसंत पंडित, कोषाध्यक्ष, दीनदयाल शोध संस्थान, उपसंचालक कृषि श्री आशीष पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. नवीन कुमार शर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, मझगवॉ एवं कार्यक्रम के शुभारम्भ में सभी अतिथियों ने भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एवं राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सर्वप्रथम मा. नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत सरकार के द्वारा किसान भाईयों के खातों में डी.बी.टी. के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त वाराणसी, उत्तर

प्रदेश से जारी की गयी तदुपरान्त किसानों को सम्बोधित किया गया जिसका सजीव प्रसारण कृषि विज्ञान मझगवां में किया गया।

कार्यक्रम में मा. राज्यमंत्री सुश्री प्रतिमा बागरी जी ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों को आर्थिक मजबूत करने के लिए कई योजनाओं पर निरंतर कार्य कर रही है एवं सशक्त किसान, समृद्ध भारत पर मा. प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे है।

मा. सांसद महोदय श्री गणेश सिंह जी ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार किसानों के निरंतर विकास के लिए मा. प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में किसान सम्मान निधि एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सीधे कृषकों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

अध्यक्षीय उदबोधन में मा. श्री अभय महाजन जी संगठन सचिव, दीनदयाल शोध संस्थान ने कहा कि समाज के हर वर्ग को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है उसी दिशा में नानाजी के दिए गये मार्गदर्शन अनुसार दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां भी जागरूकता, स्वरोजगार प्रशिक्षण हेतु निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में 452 कृषक एवं कृषक महिलाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के प्रसार वैज्ञानिक श्री पंकज शर्मा ने किया साथ ही केन्द्र के समस्त कार्यकर्ताओं का पूर्ण सहयोग रहा।

कृषि विज्ञान केंद्र एवं पशु पालन विभाग द्वारा ग्राम बरहट एवं भुजौली में एफ.एम.डी. रोकथाम हेतु पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित

पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण, बीमार पशुओं का उपचार तथा ग्रामीणों को रोग की पहचान और बचाव के उपायों की दी गई जानकारी

गनीवां/ दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां एवं पशु पालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम बरहट और भुजौली में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। एक दिन पूर्व कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी किसानों की बैठक के लिए इन गांवों में पहुंचे और उन्होंने पाया कि खुर पका एवं मुंह पका (एफ.एम.डी.) रोग तेजी से फैल रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत योजना बनाई गई और अगले ही दिन यह शिविर आयोजित किया गया।

शिविर के संचालन में पशु चिकित्सालय पहाड़ी एवं रैपुरा की टीम का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण, बीमार पशुओं का उपचार, तथा ग्रामीणों को रोग की पहचान और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. दीपेश भारत मिश्रा, श्री सुरेश यादव, श्री अभय शुक्ला, श्री राम भरोसे वर्मा, श्री आलोक, श्री धर्मेंद्र एवं श्री राकेश सहित कृषि विज्ञान केंद्र एवं पशु चिकित्सालय की टीम उपस्थित रही। विशेषज्ञों ने बताया कि फुट एंड माउथ डिज़ीज़ एक अत्यधिक संक्रामक रोग है, जो गाय, भैंस, बकरी, भेड़ जैसे खुर वाले जानवरों में तेजी से फैलता है। इसके लक्षणों में मुंह, जीभ और होंठों पर फफोले या घाव होना, अत्यधिक लार गिरना, पैरों के खुरों में सूजन या फफोले के कारण लंगड़ाना, दूध उत्पादन में तेज गिरावट आना और जानवर का सुस्त होकर खाना न खाना शामिल है। समय पर टीकाकरण और उचित देखभाल से इसकी रोकथाम संभव है।

रोकथाम के लिए पशुओं का नियमित रूप से एफ.एम.डी. टीकाकरण कराना, बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना, बाड़े और आसपास के क्षेत्र की नियमित सफाई एवं कीटाणुनाशक का छिड़काव करना, बाहर से लाए गए पशुओं को पहले जांचकर कुछ समय तक अलग रखना, तथा पशुओं को पौष्टिक आहार और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना आवश्यक है। ग्रामवासियों ने इस पहल का स्वागत किया और भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की मांग की।

आरोग्यधाम में एक दिवसीय गेंदा की खेती का प्रशिक्षण

चित्रकूट में फूलों की खेती से एक नया उद्यम स्थापित करने की पहल

फूलों की खेती किसानों के लिए आमदनी का एक अच्छा स्रोत - डॉ. पुनीत सिंह चौहान

चित्रकूट/ सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ तथा दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के संयुक्त तत्वावधान में सीएसआईआर-फ्लोरीकल्चर मिशन चरण-2 के तहत आरोग्यधाम चित्रकूट, मध्य प्रदेश में पहली बार एक दिवसीय गेंदा की खेती, देखभाल एवं बीमारियों से रोकथाम का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 30 से अधिक लाभार्थियों जो कि चित्रकूट के विभिन्न आंचलिक क्षेत्र से आये हुए थे, उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चित्रकूट में फूलों की खेती से एक नया उद्धम स्थापित करने की यह एक पहल है। सीएसआईआर-एनबीआरआई लखनऊ की टीम ने फ्लोरीकल्चर मिशन के तहत चयनित राज्य में एक लाख गेंदे की पौध का वितरण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी वरिष्ठ शोध अधिकारी दीनदयाल शोध संस्थान ने किया। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि चित्रकूट एक धार्मिक नगरी है यहां पर श्रद्धालु आते हैं और पूजा अर्चना करते हैं, जिसके लिए फूलों की आवश्यकता होती है जिसकी आपूर्ति का प्रमुख विकल्प गेंदा का फूल हैं। चित्रकूट में प्रतिदिन लगभग ५ क्विंटल फूलों की आवश्यकता रहती है। अतः इस प्रशिक्षण की वर्तमान में महत्ती आवश्यकता है, फूलों की खेती किसानों के लिए आमदनी का एक अच्छा स्रोत है, इसमें नवयुवकों के लिए भी अवसर निहित है जिसे अपनाकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

एनबीआरआई के डॉ. पुनीत सिंह चौहान (सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट) ने प्रशिक्षण का उद्देश्य बताते हुआ कहा कि मैं फ्लोरीकल्चर मिशन का मध्य प्रदेश का संयोजक हूं, मुझे इस मिशन की शुरुआत चित्रकूट से करते हुए बहुत ख़ुशी हो रही है। डॉ. पुनीत ने कहा कि यहां के किसानों को अतिरिक्त आय फूलों से हो और आज के नवयुवक फूलों की खेती को रोजगार के रूप में लें यही हमारा उद्देश्य है।

डॉ. सुशील कुमार (वरिष्ठ वैज्ञानिक) एवं डॉ. सुमित कुमार यादव (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी) ने गेंदा के फूलों की खेती की विस्तृत जानकारी किसानों को दी। उन्होंने बताया कि गेंदा की खेती बहुत ही आसान है इसमें ज्यादा लागत भी नहीं आती है और आय अधिक होती है। आप लोग खेती करिए हम आपके साथ हैं। जो भी आपको तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होगी हम उपलब्ध कराएँगे। समापन सत्र में श्री देवेंद्र भदौरिया (सीईओ विंध्यांचल एफपीओ ग्वालियर) ने अपने उद्बोधन में बताया कि आज किसान गेंदा की खेती करके 2-3 लाख प्रतिवर्ष अतिरिक्त कमाई कर रहे हैं, इसलिए आप लोगों को बिना विचार किये इस कार्य को शुरू कर देना चाहिए। श्री भदौरिया ने बताया कि दीनदयाल शोध संस्थान श्री अभय महाजन के कुशल निर्देशन में आगे बढ़ रहा है, आप लोग काम करिये, संस्था आपके साथ में है चिंता की कोई बात नहीं है।

उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री श्री असीम अरुण ने डीआरआई के प्रकल्पों का किया विजिट

भारत रत्न नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर किया नमन

चित्रकूट/ उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री असीम अरुण ने चित्रकूट आकर सियाराम कुटीर पहुंचकर **'भारत रत्न'** परम श्रद्धेय नानाजी देशमुखजी को श्रद्धासुमन अर्पित किये और दीनदयाल शोध संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों का भ्रमण किया।

इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रिसोर्स सेन्टर के प्रभारी विनीत श्रीवास्तव द्वारा दीनदयाल शोध संस्थान की सभी गतिविधियों की जानकारी के साथ-साथ प्रमुख प्रकल्पों का विजिट भी कराया गया। इस दौरान उन्होंने आरोग्यधाम परिसर में स्थापित नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर पुष्पार्चन भी किया।

डीआरआई के प्रकल्प भ्रमण के दौरान उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री असीम अरुण ने चित्रकूट के पीली कोठी स्थित अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए संचालित आवासीय विद्यालय **रामनाथ आश्रमशाला** पहुंचकर वहाँ के बच्चों से भी रूबरू हुए। वहां उन्होंने काफी देर तक बच्चों से खासा बातचीत भी किये।

मंत्री ने डीआरआई के प्रकल्प आरोग्यधाम परिसर में गोवंश विकास एवं अनुसंधान केंद्र, रसशाला, औषधि वाटिका का भ्रमण किया, वहां चिकित्सा गतिविधियों के अवलोकन के पश्चात चिकित्सकों से भी बातचीत की।

राज्य आनंद संस्थान की तीन दिवसीय आनंद सहयोगी कार्यशाला

पन्ना, मैहर एवं सतना जिले के अधिकारियों ने सीखा तनाव मुक्त जीवन जीने का हुनर

चित्रकूट/ राज्य आनंद संस्थान भोपाल द्वारा दीनदयाल शोध संस्थान के उद्यमिता विद्यापीठ चित्रकूट में मध्य प्रदेश शासन के अधिकारी कर्मचारी हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण 21 से 23 अगस्त तक महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर भरत मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के साथ राज्य आनंद संस्थान के प्रतिनिधि श्री प्रदीप महतो, मास्टर ट्रेनर श्री संजय पांडे, श्री रूप द्विवेदी, श्री पुनीत कौर मैनी मंचस्थ रहे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदोउपरांत मंच पर उपस्थित अतिथियों के स्वागत कार्यक्रम में राज्य आनंद संस्थान के प्रतिनिधि प्रशिक्षक श्री प्रदीप महतो द्वारा माननीय कुलगुरु का अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 4 अगस्त को दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन श्री सचिव अभय महाजन और कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में एक संक्षिप्त कार्यक्रम में हुआ एमओयू को हस्ताक्षरित कर संबंधित पक्षों द्वारा आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी पक्षों को बधाई देते हुए कहा कि हम सब मिलकर प्रदेश के विकास के लिए काम करेंगे।

त्रिपक्षीय एमओयू राज्य आनंद संस्थान, भोपाल, दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट एवं म.प्र. जन अभियान परिषद, भोपाल के मध्य हुआ। इस एमओयू का उद्देश्य तीनों संस्थानों द्वारा आपसी प्रशिक्षण के जरिए प्रदेश में आनंद ग्रामों के विकास तथा सतत् विकास के लक्ष्य पर आधारित ग्राम विकास अवधारणा के क्रियान्वयन की साझा पहल करना है।

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने अपने उद्बोधन

में कहा कि राज्य का पूर्ण विकास नागरिकों की मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक उन्नति तथा प्रसन्नता से ही संभव है। नागरिकों के लिये इस प्रकार वातावरण करने के उद्देश्य से आनंद विभाग इस तरह की कार्यशाला हेतु निरंतर प्रयत्नशील है और दीनदयाल शोध संस्थान के प्रांगण में प्रथम बार आयोजित यह कार्यशाला स्वागत योग्य है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का विशेष धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। साथ भारत रत्न राष्ट्र ऋषि पूज्य नाना जी के संस्मरणों को साझा करते हुए कहा कि मैं सभी से आग्रह करता हूं कि भगवान राम की इस तपोभूमि और नाना जी की कर्मभूमि की ऊर्जा को अवश्य आत्मसात करें। तथा इस कार्यशाला में पूरी तन्मयता से नाना जी के घर में हिस्सेदारी करें।

आनंद संस्थान भोपाल से आए प्रतिनिधि श्री प्रदीप महतो ने बताया कि अपनी स्थापना के समय से ही राज्य आनंद संस्थान, प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए सतत कार्यरत है। संस्थान का यह दृढ़ विश्वास है कि सुख बाहरी प्रभाव नहीं, बल्कि एक आंतरिक अनुभूति और एक स्वाभाविक अवस्था है, जिसे सही दृष्टिकोण, जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इसी दिशा में कार्य करते हुए, संस्थान अपने विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और आनंदम गतिविधियों से नागरिकों में सकारात्मकता और आत्मिक आनंद की भावना विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

कार्यशाला के प्रशिक्षण संयोजक मास्टर ट्रेनर डॉ. राजेश तिवारी ने बताया कि इस पहली कार्यशाला में सतना मैहर और पन्ना जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए हैं जिनका नामांकन स्थानीय जिलों के कलेक्टर द्वारा किया गया है। आतंरिक आनंद की अनुभूति, आनंद और स्वास्थ्य के बीच संबंध, खुशहाल परिवार एवं कार्यक्षेत्र में बेहतरी के साथ आनंद की अनुभूति और दायित्व निर्वहन में समन्वय आदि विषयों के साथ यह कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए उपयोगी रहेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीनदयाल शोध संस्थान उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक श्री मनोज सैनी, आनंदम सहयोगी सुश्री संजू मिश्रा, सुश्री अल्का द्विवेदी, श्री सुमित प्रजापति की महत्वपूर्ण भागीदारी रही।

दीनदयाल शोध संस्थान और सोनीपत के जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी के बीच जनहित के मुद्दों और विषयों पर सहयोग करने के लिए हुआ एमओयू

जेएसजीपी और डीआरआई के बीच सार्वजनिक हित के मुद्दों और विषयों पर नीति, कार्यक्रमों और उनके कार्यान्वयन के लिए हुआ अनुबंध

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान और ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी के बीच सोनीपत में जनहित के मुद्दों और विषयों पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो नीति, कार्यक्रमों और उनके कार्यान्वयन को सूचित कर सकते हैं और जो सरकार, सीएसओ और अन्य हितधारकों के लिए भारत के नागरिकों के लिए सार्वजनिक सेवाओं और लाभों की पहुंच और वितरण में सुधार के लिए उपयोगी हैं।

दीनदयाल शोध संस्थान की ओर से कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित ने और जेएसजीपी की ओर से प्रोफेसर आर. सुदर्शन, प्रोफेसर और डीन जेएसजीपी ने डीआरआई के सचिव श्री भूपेंद्र मलिक, जेएसजीपी में प्रोफेसर प्रो. सूरज कुमार, डीआरआई के सीईओ श्री अमिताभ वशिष्ठ और प्रख्यात विद्वान और सेवानिवृत्त आईएएस श्री तेजेंद्र सिंह जी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

जेएसजीपी और डीआरआई सार्वजनिक हित के मुद्दों और विषयों पर सहयोग करने के इच्छुक हैं, जो नीति, कार्यक्रमों और उनके कार्यान्वयन को सूचित कर सकें और जो भारत के नागरिकों के लिए सार्वजनिक सेवाओं और लाभों की पहुंच और वितरण में सुधार करने की दिशा में सरकार, सीएसओ और अन्य हितधारकों के लिए उपयोगी हों।

इस समझौता ज्ञापन का लक्ष्य विकास नीति और कार्यक्रमों और इसके कार्यान्वयन, नागरिक समाज और अन्य संबंधित हितधारकों की कार्रवाइयों के लिए सहयोग को बढ़ावा देना है तथा राज्य को नीतिगत जानकारी प्रदान करने के लिए संयुक्त रूप से नीति अनुसंधान एवं प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन आयोजित करना।

नवाचार, केस अध्ययन का दस्तावेजीकरण एवं आपसी हित के क्षेत्रों पर व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशाला, पैनल चर्चा, संगोष्ठी, वेबिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के रूप में संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित करना है।

रामनाथ आश्रमशाला विद्यालय में खेल प्रतियोगिता

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कबड्डी, खो-खो, लम्बीकूद, डिस्कस थ्रो एवं गोला फेंक सहित कई मनोरंजनात्मक खेल कराए गये सम्पन्न

चित्रकूट / दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित रामनाथ आश्रमशाला में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गयी। सभी छात्र/छात्राओं को दो सदनों शिवाजी सदन एवं महाराणा प्रताप सदन में विभाजित किया गया एवं विभिन्न प्रतियोगिताएं कबड्डी, खो-खो, लम्बीकूद, डिस्कस थ्रो एवं गोला फेंक सहित कई मनोरंजनात्मक खेल सम्पन्न कराए गये। प्रतियोगिता में छत्रपति शिवाजी सदन विजेता रहा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 श्री स्वामी निर्भयानन्द जी महाराज संस्थापक बजरंग आश्रम चित्रकूट, श्री रमाकान्त पाठक सेवा निवृत्त शिक्षक शा.उ.मा.वि. छतरपुर, श्री जब्बार अली एवं श्री धर्मेन्द्र पटेल कामता चित्रकूट मेजर ध्यानचन्द जी को याद करते हुए अतिथियों द्वारा चित्र पर पुष्पार्चन के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सभी छात्रों को श्री रमाकान्त पाठक द्वारा खेल भावना का शपथ ग्रहण कराया गया। इसके पश्चात विद्यालय के शिक्षक श्री रामकिशोर द्वारा मेजर ध्यानचन्द जी के जीवनवृत्त को बताया गया। कार्यक्रम में रेफरी की भूमिका में श्री संजय त्रिपाठी कांस्टेबल उ.प्र. पुलिस एवं श्री राहुल कुशवाहा पी.टी.आई. जानकीकुण्ड का अविस्मरणीय सहयोग रहा एवं समापन अवसर पर समाज शिल्पी दम्पति योजना के प्रभारी डॉ. अशोक पाण्डेय जी द्वारा ध्वज अवतरण कर कार्यकम का समापन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री सत्यराम यादव के द्वारा छात्रों का उत्साह वर्धन एवं अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया।

सर्वोदय कॉलेज की छात्राओं का हुआ उद्यमिता विद्यापीठ में रोजगारोन्मुखी शैक्षणिक भ्रमण

छात्राओं को उद्योग क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए किया गया जागरूक

चित्रकूट / सर्वोदय कॉलेज, आजमगढ़ की छात्राओं ने उद्यमिता विद्यापीठ, दीनदयाल शोध संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को उद्योगों की कार्यप्रणाली से परिचित कराना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना, इस यात्रा ने छात्राओं को न केवल औद्योगिक क्षेत्र की गहरी समझ प्रदान की, बल्कि उनके भीतर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी जगाई।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित विभिन्न मॉडल यूनिट्स का निरीक्षण किया। इन इकाइयों का उद्देश्य ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में उद्योगों का विकास करना और स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। छात्राओं ने बेकरी इकाई, आटा एवं दाल मिल, मसाला इकाई, खाद्य एवं प्रसंस्करण इकाई तथा टेलरिंग इकाई का विस्तृत भ्रमण किया। इन इकाइयों में कामकाजी महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का अवलोकन किया गया।

भ्रमण का एक प्रमुख उद्देश्य छात्राओं को यह दिखाना कि कैसे वे स्वयं के व्यवसाय की शुरुआत कर सकती हैं। प्रत्येक इकाई में जाकर छात्राओं ने देखा कि किस प्रकार छोटे और मंझोले उद्योग स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। छात्राओं को यह समझ में आया कि किसी भी उद्योग को स्थापित करने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि इसके लिए सही मार्गदर्शन, संसाधनों की उपलब्धता और सही दिशा में प्रयास की आवश्यकता होती है।

भ्रमण के बाद डॉ. राम मनोहर लोहिया सभागार में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को अपने छोटे उद्योग स्थापित करने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि इस योजना के तहत महिलाओं को न केवल वित्तीय सहायता मिलती है, बल्कि उन्हें व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं जैसे विपणन, उत्पादन, और प्रबंधन के बारे में भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है ताकि वे न केवल अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें, बल्कि समाज में भी अपनी एक पहचान बना सकें।

कार्यक्रम के दौरान उद्यमिता विद्यापीठ के फील्ड समन्वयक श्री रामदत्त पांडेय ने छात्राओं को "उद्यमी ऐप" के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस ऐप के माध्यम से महिलाएं और अन्य लोग विभिन्न

उद्योगों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और यदि वे अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो वे खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग से आर्थिक सहायता भी प्राप्त कर सकते हैं। इस ऐप के जरिए छात्राओं को यह बताया गया कि वे किस प्रकार से उद्योगों की स्थापना के लिए अनुदान और अन्य सुविधाओं का लाभ उठा सकती हैं।

कार्यक्रम के अंत में खादी ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र, उद्यमिता विद्यापीठ के प्राचार्य श्री मनोज सैनी ने महिलाओं को उद्योग क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आज के समय में महिलाओं के पास स्वरोजगार के अनगिनत अवसर हैं। उन्होंने स्वरोजगार के क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं अपने हुनर और आत्मविश्वास के साथ किसी भी उद्योग क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं। श्री सैनी ने कहा कि अगर आपमें किसी कार्य को करने की इच्छा और आत्मविश्वास है, तो आपको किसी भी स्थिति में पीछे नहीं हटना चाहिए। उद्योग क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ रही है, और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाएं अपने सपनों को पूरा करने के लिए सक्षम बनें।

उन्होंने छात्राओं को अपनी सफलता के लिए प्रेरित करते हुए यह भी कहा कि स्वरोजगार केवल एक करियर विकल्प नहीं है, बल्कि यह समाज में बदलाव लाने का एक तरीका है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में काम करना चाहिए।

यह शैक्षणिक भ्रमण छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा। भ्रमण के दौरान उन्होंने न केवल उद्योगों की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझा, बल्कि यह भी जाना कि अपने जीवन को बदलने के लिए स्वरोजगार के क्षेत्र में कदम रखना कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। छात्राओं ने भ्रमण के अंत में अपनी गहरी रुचि और उत्साह व्यक्त किया, और यह निर्णय लिया कि वे भविष्य में स्वरोजगार की दिशा में अपने करियर को दिशा देंगे। यह भ्रमण उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर गया और उन्होंने यह संकल्प लिया कि वे अपने परिवार और समाज में बदलाव लाने के लिए उद्योग क्षेत्र में कदम रखेंगी।

यह शैक्षणिक भ्रमण सर्वोदय कॉलेज की छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत साबित हुआ। यह भ्रमण न केवल उन्हें उद्योगों की कार्यप्रणाली से अवगत कराने में मददगार रहा, बल्कि यह उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित भी किया। इससे छात्राओं में स्वरोजगार के प्रति रुचि और आत्मविश्वास का संचार हुआ, और वे अब अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए तैयार हैं।

इस अवसर पर श्रीमती प्रेम लता राय प्राचार्या, श्रीमती पूजा सिंह लेक्चरर सामाजिक विज्ञान, श्रीमती प्रतिभा व्याख्याता सैन्य विज्ञान, कु. रीता सिंह लेक्चरर जीव विज्ञान सर्वोदय महाविद्यालय मार्टिनगंज, आजमगढ़ उपस्थित रहीं।

कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण

महिलाओं को अचार, मुरब्बा, पेठा, कैंडी, जैम जेली, प्राकृतिक गुलाल बनाने का दिया प्रशिक्षण

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में खाद्य प्रसंस्करण विभाग में हंस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का शुभारंभ भारत माता, भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी एवं पंडित दीनदयाल जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन द्वारा किया गया। इस अवसर पर चित्रकूट के आस पास के ब्लॉक की 25 महिलायें जो हंस फाउंडेशन से जुड़कर उद्यमिता एवं स्वरोजगार स्थापित करना चाहती थी उन्होंने इस प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. हेमराज द्विवेदी ने बताया कि फल एवं सब्जी प्रसंस्करण हमारे जीवन में किस प्रकार उपयोगी है। ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के आधार पर हम कैसे रोजगार का सृजन कर सकते हैं साथ ही फल एवं सब्जी से बनने वाले उत्पादों की सेल्फ लाइफ को कैसे बढ़ा सकते हैं। केंद्र के बागवानी वैज्ञानिक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा बागवानी पर प्रकाश डाला गया क्योंकि हंस फाउंडेशन द्वारा नीबू, आम, आंवला के वृक्ष लगवाए जा रहे हैं तो उनकी बागवानी कैसे करें और यह हमारे लिए लाभ का अवसर कैसे बन सकता है इस बात पर विस्तृत चर्चा की। सस्य वैज्ञानिक ने बताया कि मोटे अनाजों की खेती एवं उससे बनने वाले उत्पादों के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि हम जो भी उत्पाद बनाएं उसकी गुणवत्ता का विशेष ध्यान दें।

उद्यमिता विद्यापीठ के खाद्य प्रसंस्करण विभाग के प्रशिक्षक श्री नत्थू कुशवाह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा की यहाँ जो भी सिखाया जाए उसे मन लगाकर सीख कर अपने गांव में स्वरोजगार स्थापित कीजिए। हंस फाउंडेशन के श्री संतोष मिश्रा ने महिलाओं से कहा कि यह आप सभी के लिए अच्छा अवसर है कि दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला है, यहाँ पर फल एवं सब्जी प्रसंस्करण इकाई में सभी अत्याधुनिक मशीनें है जिनके उपयोग से कम समय में अधिक उत्पाद तैयार कर सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र पर मुरब्बा गोदने की मशीन, जूस बनाने की, अचार एवं चिप्स बनाने की यूनिट, मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित है। जो आप लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। अतः आप सभी से यही निवेदन है कि यहाँ से सब कुछ सीखिए और अपने यहाँ मूर्तरूप दीजिए। प्रायोगिक प्रशिक्षण में अचार, मुरब्बा, पेठा, कैंडी, जैम जेली, प्राकृतिक गुलाल बनाना सिखाया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अजय चौरसिया, डॉ. सुमित पटेल, श्री सत्यम चौरिहा सहित केंद्र के श्री सुरेन्द्र पयासी, श्री पुनीत गौतम, श्री प्रेम यादव सहित हंस फाउंडेशन से 3 लोग एवं 25 महिलायें उपस्थित रहीं।

आरोग्यधाम में कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन में 110 कार्यकर्ताओं के परिवार रहे उपस्थित

कार्यकर्ताओं के परिवारों को कुटुंब प्रबोधन के साथ सामूहिक सहभोज के साथ हुआ सम्मेलन का समापन

चित्रकूट/दीनदयाल शोध संस्थान के स्वास्थ्य प्रकल्प आरोग्यधाम में कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. नरेश शर्मा, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा, दिगंबर अखाड़ा के श्री महंत दिव्य जीवन दास जी, समाज शिल्पी दंपत्ति प्रभारी श्री राजेंद्र सिंह के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन की अवधारणा रखते हुए समाज शिल्पी दंपति प्रभारी श्री राजेन्द्र सिंह ने कार्यकर्ता का शाब्दिक अर्थ बताते हुए कहा कि कार्यकर्ता यानी काम करने वाला, काम शारीरिक श्रम एवं मानसिक श्रम दोनों से है। एक ऐसा कार्यकर्ता जो तन-मन के साथ पूर्ण निष्ठा से जो भी दायित्व उसको दिया जाता है उसको पूरा करने में लगता है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा ने कुटुंब प्रबोधन पर अपने वक्तव्य में कहा कि परिवार राष्ट्र की सबसे प्रारंभिक इकाई है। परिवार ही वह इकाई है जो संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाती है, पर आज के उपभोक्तावादी और व्यक्तिवादी दौर में जीवन मूल्य बदल गए हैं जिससे परिवार संस्था के प्रति दुराग्रह बढ़ा है। हमारे बच्चे मजबूत बनें, संस्कारवान बनें और प्रत्येक घर एक किला बने यह आवश्यक है। घर में सामूहिक चर्चा और बैठक भी होनी चाहिए। सामूहिक भोजन और भजन हो। त्याग का भाव परिवार के संस्कार से ही उत्पन्न होता है, परिवार नाम की इकाई बनी रहे यह आवश्यक है।

अपने आशीर्वचन में श्री दिव्य जीवन दास महाराज ने कहा कि नानाजी के मन में गांवों के प्रति कितना समर्पण का भाव था उन्होंने पीड़ित उपेक्षित गांव वासियों की सेवा का संकल्प स्वप्रेरणा से लिया। वे पूरे देश के कल्याण की बात करते थे तथा ग्रामवासियों की पहल एवं पुरुषार्थ से ही अनुकरणीय काम खड़ा करने की दृष्टि से ही उस अनुकूल उन्होंने प्रयोगशाला के तौर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन के प्रकल्प खड़े किये।

कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन के अन्त में सभी कार्यकर्ता परिवारों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आयुर्वेद शोधशाला के प्रभारी डॉ. मनोज त्रिपाठी ने बताया कि इस सम्मेलन में आरोग्यधाम परिसर के प्रकल्पों से 110 कार्यकर्ता एवं उनके परिवारों की सराहनीय उपस्थिति रही है। सभी के सामूहिक सहभोज के साथ सम्मेलन का समापन हुआ। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, स्वावलंबन अभियान के प्रभारी डॉ. अशोक पांडेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय में कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन

चित्रकूट/दीनदयाल शोध संस्थान के शैक्षणिक प्रकल्प सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय में भी कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन का आयोजन किया गया। दीनदयाल शोध संस्थान की योजना के अनुसार समस्त प्रकल्पों में परिवार सम्मेलन आयोजित किये जा रहा है। परिवार समाज की प्राथमिक इकाई है, आए हुए अतिथियों ने परिवार की भूमिका को रेखांकित किया। वर्षों से परिवार की महत्ता हमारे देश में रही है और परिवार के प्रभाव से समाज की संरचना आज भी जीवंत है।

इस अवसर पर चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से पधारे समाज कल्याण विभाग के प्राध्यापक श्री अमरजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त किया। परिवार प्रबोधन संयुक्त परिवार और एकल परिवार के संबंध में समाज शिल्पी दंपत्ति प्रभारी श्री राजेंद्र सिंह ने अपने विचार परिवारों के बीच में साझा किया। स्वावलंबन अभियान के प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पांडेय ने नाना जी के और दीनदयाल जी के किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज में अंतिम पायदान पर खड़े हुए व्यक्ति का जब तक विकास नहीं होगा तब तक परिवार ग्राम समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी ने कहा कि सोशल मीडिया के इस युग में परिवार को सुरक्षित रखना, परिवार को सुसंस्कारित रखना है, कुप्रभावों से अपने परिवार को बचाएं और भारत की जो परंपरा रही है उस परंपरा में दादा, नाना, नानी, दादी इनके प्रति सम्मान व सहयोग बनाए रखना चाहिए। अंत में कल्याण मंत्र और सहभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य श्री अंशुमान पाठक भी उपस्थित रहे।

शान्ति देवी इंटर कालेज पहाड़ी में किया गया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 200 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार

किशोरी स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर में 90 बालिकाओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकों ने बताए स्वस्थ खान पान के तौर तरीके

चित्रकूट/दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर तथा किशोरी स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन शान्ति देवी इंटर कालेज पहाड़ी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष श्री अशोक जाटव, खंड विकास अधिकारी पहाड़ी श्री संजय कुमार पाण्डेय, अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी डॉ. उदय प्रताप सिंह, भा.ज.पा. चित्रकूट के जिला अध्यक्ष श्री महेंद्र कोटार्य, जिला महामंत्री डॉ. अश्वनी अवस्थी, शान्ति देवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक श्री सुनील कुमार सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री शिववरन त्रिपाठी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री मनोज कुमार त्रिपाठी, पूर्व जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी एवं संस्थान के वैद्य राजेंद्र पटेल ने दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया।

किशोरी जागरूकता शिविर में डॉ. उदय प्रताप सिंह अधीक्षक समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी ने कहा कि यह स्वास्थ्य शिविर बहुत ही महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार आपके जीवन में बदलाव के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है उसी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बहुत सी लड़कियों में खून की कमी रहती है, वे अपने स्वास्थ्य को गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि घर वालों को विश्वास दिलाए कि हम आगे पढ़ पाए, इसके साथ ही अपने माता-पिता व अध्यापक का सम्मान करें।

खण्ड विकास अधिकारी पहाड़ी श्री संजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि आप लोग योग भी करें साथ ही मिशन शक्ति अभियान के साथ ही साथ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उसका लाभ उठाएं, 1090 हेल्पलाइन नंबर है अगर कोई ब्लैकमेल करता है तो शिकायत करें, उन्होंने कहा कि चुप्पी तोड़ो कुछ तो बोलो इस हेल्पलाइन नंबर पर बात कर अपनी समस्याओं को बताएं।

प्रबन्धक, शांति देवी इंटर कालेज पहाड़ी श्री सुनील कुमार सिंह ने कहा कि जब शरीर स्वस्थ होगा तभी मन प्रसन्न होगा जिससे हम पूर्णमनोयोग से अपने कर्मपथ पर अग्रसर होंगे, दूसरा शिक्षा सबसे अनमोल रत्न है आप सभी स्वयं शिक्षित हों एवं परिजनों व अन्य सभी को भी बालिका शिक्षा के लिए प्रेरित करें। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा समय-समय पर विविध जनजागृति के कार्यक्रमों का नियोजन समाज को सशक्त बनाने का कार्य करता है।

श्रीमती सीमा पाण्डेय ने कहा कि यह शिविर किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता परीक्षण के लिए किया जा रहा है जो

महत्वपूर्ण है। जो आपके शरीर में कमी है चैकअप से पता चल जाएगा। इस उम्र में अपनी सेहत का ख्याल रखें यह सही समय है बहुत सी बच्चियाँ स्कूल नहीं जाती हैं उनसे भी बात कर उन्हें भी बताएं।

श्रीमती पद्मा त्रिपाठी ने कहा कि परिवार से ही बच्चियाँ सीखती हैं कि हमें क्या करना चाहिए क्या नहीं। आप नारी शक्ति हैं आसपास की बच्चियों से भी बात कर उन्हें भी बताएँ कि अब महिला अबला नहीं रही अब महिलाओं का सशक्तिकरण हो रहा है।

इस अवसर पर डॉ. भारती श्रीवास्तव वरिष्ठ चिकित्सक आरोग्यधाम ने कहा कि महिलाओं के ऊपर पुरुषों से भी अधिक जिम्मेदारी रहती है। आज सोशल मीडिया का जमाना है हमें रील्स बनाने में समय व्यर्थ नहीं करना है आप लोगों को आगे जाना है अपना केरियर बनाएं। समाज में अपने महत्व को समझें जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ करें। हमारा आचार, विचार एवं व्यवहार संयमित हो साथ ही आजीवन स्वस्थ रहने के लिए सात्विक एवं संतुलित आहार ग्रहण करें। किशोरावस्था सबसे अहम होती है जिसमें हमारा मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है कई समस्याएं भी आती हैं उस पर अपने परिजनों से चर्चा करें अपनी चुप्पी तोड़े जैसे छोटी सी उम्र में शादी होना, भ्रूण हत्या, गुड़ टच बैड टच का ज्ञान होना चाहिए। ऐसे प्रलोभनों से दूर रहें इन सब की जागरूकता आप लोगों में होनी चाहिए। इस शिविर के माध्यम से आप लोग लाभ उठाएं जागरूक बनें औरों को जागरूक करें।

जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष श्री अशोक जाटव ने कहा कि देश बदल रहा है। राष्ट्रऋषि नाना जी त्याग की प्रतिमूर्ति थे, वे कहते थे कि मानवता ही सबसे बड़ा कर्म है अपने माता-पिता, गुरुजनों की बातों को माने भारतीय परंपराओं, संस्कारों, खान-पान को जीवन में अपनायें। नाना जी देशमुख के सपने को आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी का सबका साथ सबका विकास के साथ अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति को लाभ मिले यह उनकी विचारधारा है। हम सब समाज के सभी वर्गों के लोग सामूहिक सहभागिता के साथ नाना जी के संकल्प ग्रामोदय से राष्ट्रोदय के सपने को पूर्ण करने के लिए अपना-अपना योगदान दें। कार्यक्रम का संचालन जेएसएस के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल ने किया।

कार्यक्रम में समाज शिल्पी दम्पति प्रभारी डॉ. अशोक पाण्डेय, श्री विनीत श्रीवास्तव प्रभारी दिशा दर्शन केंद्र, डॉ. अशोक तिवारी, कृषि वैज्ञानिक डॉ. उत्तम त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान जन शिक्षण संस्थान एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई।

किशोरी स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर में 90 बालिकाओं तथा स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर में ग्रामीण क्षेत्र से आये हुए लगभग 200 लोगों तथा दन्त चिकित्सा विभाग में 80 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दन्त चिकित्सा, ग्रामीण स्वास्थ्य विभाग आरोग्यधाम की स्वास्थ्य टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

केवीके चित्रकूट में किसान सम्मेलन सह फसल प्रतियोगिता का आयोजन

15 महिला पुरुष कृषकों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया गया सम्मानित

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवां चित्रकूट में संचालित परियोजना के अंतर्गत "अनुसूचित जाति उप योजना" के तहत किसान सम्मेलन सह फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कृष्णा पटेल सांसद चित्रकूट-बाँदा लोकसभा क्षेत्र, विशिष्ट अतिथि श्री उमाशंकर पाण्डेय (जल पुरुष), पद्मश्री से सम्मानित, अध्यक्षता श्री अभय महाजन, संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, विशिष्ट अतिथि श्री अशोक जाटव अध्यक्ष जिला पंचायत, चित्रकूट, श्री राज कुमार उप निदेशक कृषि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी एवं अन्य वैज्ञानिको द्वारा किसानों की तकनीकी सत्र के माध्यम से समसामयिक जानकारी दी गई।

इसके साथ मंचस्थ श्री अशोक जाटव जी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने भारतरत्न नाना जी के द्वारा समाज के लिए किये गये अनुकरणीय कार्यों से किसानों को अवगत कराया साथ ही किसानों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका एवं प्रयासों की प्रशंसा की साथ ही कहा सरकार किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है इसका जीवंत उदाहरण कृषि विज्ञान केन्द्र है।

जल पुरुष श्री उमाशंकर पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस क्षेत्र

के कृषिगत विकास की आधारशिला श्रद्धेय नाना जी ने रखी थी जो आज उच्चतम उत्पादन एवं कृषि समृद्धि को प्रदर्शित कर रही है, कहा कि आज मैंने आते समय किसानों के खेत फसल से लहलहाते देखे हैं जो कि उन्नत कृषि का प्रमाण है। इसके साथ उनके द्वारा किसानों को जल का महत्व भी बताया।

सांसद सुश्री कृष्णा पटेल ने अपने मुख्य अतिथि उद्बोधन में कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था का मुख्य अंग है, जिस प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के लिए कार्यरत है यह इन केन्द्रों के किसानों के प्रति समर्पण को प्रदर्शित करता है साथ ही मैं अपने संसदीय क्षेत्र के किसानों के लिए निरंतर कार्यरत हूँ, कोई भी विषय व्यक्तिवाद से बढ़कर समाजवाद का हो उसके लिए मैं हर संभव प्रयास करुंगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री अभय महाजन ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा नानाजी के द्वारा बताये मार्ग पर चलते हुए दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र बिना किसी भेदभाव के समग्र ग्रामीण विकास का कार्य करने का प्रयास कर रहा है, इसी क्रम में कहा कि समाज की पहल एवं पुरुषार्थ से आगामी माह जुलाई में केन्द्र पर गोस्वामी तुलसी दास जी की प्रतिमा की स्थापना के लिए संस्थान संकल्पित है।

इसके साथ चित्रकूट गौरव दिवस के रूप में राम नवमी के दिन 6 अप्रैल 2025 को सभी किसान भाइयों एवं बहनों को अपने अपने घर दीप जलाने के लिए आग्रह किया।

फसल प्रतियोगिता में चयनित 15 कृषकों को विभिन्न क्षेत्रों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मंच द्वारा किसानों को प्रमाण पत्र एवं कृषि उपयोगी उपहार से सम्मानित किया गया। इसके पश्चात अतिथियों के द्वारा प्रदर्शनी सहित फसल प्रतियोगिता का अवलोकन किया, साथ ही कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र का भ्रमण कर केन्द्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। कार्यक्रम में 261 महिला पुरुष कृषक सहित केन्द्र के समस्त कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे, इस कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के वैज्ञानिक श्री विजय गौतम जी ने किया।

मिर्जापुर के छात्रों ने उद्यमिता विद्यापीठ में उत्पादन सह प्रशिक्षण इकाइयों का किया भ्रमण

केव्हीआईसी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार संवर्धन एवं युवाओं को ग्रामोद्योग के लिए किया गया प्रेरित

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान उद्यमिता विद्यापीठ में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के माध्यम से कृषि आधारित उद्योगों की जानकारी के लिए बलराम महाविद्यालय मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों ने बुधवार को बेकरी इकाई, मसाला इकाई, खाद्य प्रसंस्करण इकाई, तेल घानी इकाई, आटा दलिया और चिप्स मेकिंग इकाई का भ्रमण किया।

इस दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए समाज शिल्पी दंपत्ति प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पांडेय ने बताया कि राष्ट्रऋषि भारत रत्न नाना जी देशमुख ने उद्यमिता विद्यापीठ में उत्पादन सह प्रशिक्षण के अन्तर्गत मॉडल यूनिट्स स्थापित किया, जिससे विभिन्न स्थानों से आने वाले लोगों को अपने क्षेत्र में उद्योग लगाना एवं उसमें कच्चे माल से उत्पाद तैयार करनें की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा है।

केव्हीआईसी के प्राचार्य श्री मनोज सैनी ने बताया कि गांव में प्राकृतिक संसाधनों का अथाह भंडार है। ऐसा एक भी ग्राम नहीं है जहां कोई न कोई उपयोगी कच्चा माल उपलब्ध न हो। जो कच्चा माल उपलब्ध है उसे वहीं तैयार माल में रूपांतरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ करना आर्थिक समस्याओं के निराकरण का सर्वोत्तम उपाय है।

इस दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षक श्री रमाशंकर शुक्ल ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के बारे में जानकारी रखी।

छात्रों ने अपने अनुभव कथन में कहा कि एक साथ इतनी इकाइयों की जानकारी प्राप्त करना छात्रों के लिए आसान रहा, हम लघु अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण को प्राप्त करके विस्तृत जानकारी लेंगे तब हम नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनेंगे। इस कार्यक्रम में बलराम महाविद्यालय के डॉ. साह आलम, डॉ. अजय सिंह, खादी ग्रामोद्योग आयोग प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य श्री मनोज सैनी, श्री रमाशंकर शुक्ल, श्री कृष्ण कुमार पांडे, श्री नागेंद्र द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा पंचायत स्तर पर ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण आयोजित

अनाजों के सुरक्षित भंडारण, मृदा परीक्षण एवं ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई पर कृषकों को दिया प्रशिक्षण

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां द्वारा ग्राम पंचायत भरगवां में अनाजों के सुरक्षित भंडारण विषय पर एवं ग्राम पंचायत बांका में मृदा परीक्षण पर तथा ग्राम पंचायत पगारकला में ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई पर कृषकों को प्रशिक्षण दिए गए। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के गृह वैज्ञानिक डॉ. हेमराज द्विवेदी ने बताया कि भण्डारण के दौरान अनाज को फफूंद या रोगाणुओं से बचाये रखना चुनौतीपूर्ण होता है। नये अनाज को अच्छी तरह से सुखाएं ताकि अनाज में 10 प्रतिशत से ज्यादा नमी न रहे तथा इसके बाद ही भण्डारण करें। सुखाने के लिए काली प्लास्टिक की चादर का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि काले रंग की प्लास्टिक की चादर अधिक धूप अवशोषित करती है जिससे अनाज को जल्दी सूखने में मदद मिलती है। भंडारगृह को शुष्क एवं ठंडा रखना चाहिये जिससे कीड़े व फफूंदी का प्रकोप कम हो। भंडारण से पूर्व बीज तथा भंडारगृहों को साफ कर लें। भंडारगृह की दीवारों व फर्श की दरारों व गड्ढों को बंद कर दें। दीवारों पर 120-150 से.मी. ऊंचाई तक तारकोल पोत देना ठीक रहता है।

कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. नवीन शर्मा ने बताया कि अनाज भण्डार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा विकसित पूसा कोठी को प्रयोग में लायें, अच्छी पैकिंग की आवश्यकता बीज के संरक्षण, सुरक्षा, परिवहन एवं व्यापार हेतु आकर्षण में

महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बीज को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में पैकिंग सहायक होती है। अनाज की भरी बोरियां सीधे जमीन व दीवार से सटाकर नहीं रखनी चाहिए। इन्हें लकड़ी के तख्तों व बांस की चटाई पर थोड़ी ऊंचाई पर रखना चाहिए। कोठी में अनाज पॉलीथिन में ढककर बंद कर देना चाहिए ताकि अनाज में नमी न जा सके। गैर कृषि उपयोग हेतु विभिन्न प्रकार के अनाज का भण्डारण नीम की पत्तियों के साथ करना सर्वोत्तम होता है। नीम की निबौलियों का पाउडर एक भाग तथा 100 भाग अनाज को मिलाकर भंडारण करें। इस अवसर पर कृषक एवं महिला कृषक एवं समाज शिल्पी दम्पत्ति श्री वीरेंद्र चतुर्वेदी एवं श्री छाया चतुर्वेदी व भरगवां सरपंच उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण भरगवां ग्राम में आयोजित किया गया।

ग्राम पंचायत बांका में मृदा परीक्षण पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें श्री अशोक शर्मा द्वारा मृदा नमूना एकत्र करना, मृदा परीक्षण के महत्व की जानकारी एवं संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरक प्रयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त करने की जानकारी प्रदान की गई, साथ ही वैज्ञानिक श्री पुष्पेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि ग्रीष्म कालीन सब्जी उत्पादन तकनीक एवं प्रबंधन तथा बगीचा लगाने की जानकारी प्रदान की गई।

ग्राम पंचायत पगार कला में ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें वैज्ञानिक श्री पंकज शर्मा द्वारा बताया गया कि ग्रीष्मकालीन जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने पर खेत की मिट्टी ऊपर-नीचे हो जाती है इस गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप से खेत के नीचे की सतह पर पनप रहे कीड़े-मकोड़े बीमारियों के जीवाणु खरपतवार के बीज आदि मिट्टी के ऊपर आने से खत्म हो जाते हैं, साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. नवीन शर्मा ने बताया कि जिन स्थानों या खेतों में गेहूं व जौ की फसल में निमेटोड का प्रयोग होता है वहां पर इस रोग की गांठें जो मिट्टी के अन्दर होती है जो जुताई करने से ऊपर आकर कड़ी धूप में मर जाती है । अतः ऐसे स्थानों पर गर्मी की जुताई करना नितान्त आवश्यक होता है एवं मिट्टी की उर्वराशक्ति और जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। तीनों ग्राम पंचायतों में 98 कृषक एवं महिला कृषकों ने सहभागिता की।

अपर सचिव संस्कृति मंत्रालय ने परम श्रद्धेय नाना जी श्रद्धा केंद्र का किया अवलोकन

जन शिक्षण संस्थान की गतिविधियों का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनने का दिया मंत्र

चित्रकूट/दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित एवं कौशल विकास उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित जन शिक्षण संस्थान द्वारा आत्मनिर्भरता के लिए कौशल विकास की आवश्यकता विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन नाना जी श्रद्धा केंद्र गढ़ीवा, चित्रकूट में किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए श्री अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान ने संस्थान द्वारा संचालित किए जा रहे कौशल दक्षता के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान कर प्रशिक्षणार्थियों के सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक परिवर्तनों से अवगत कराया कि इससे मातृशक्ति कैसे स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बन समाज में अपने को स्थापित कर रही है।

संस्कृति मंत्रालय के सेक्शन ऑफिसर श्री अंकुश रस्तोगी ने कहा कि आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास, आत्म सम्मान प्राप्त होता है और यह कठिन परिस्थितियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है साथ ही हमारे आसपास के लोगों का भी एक बेहतर जीवन बने इसके लिए एक दिशा प्रदान करती है। मैं वास्तव में इस संगठन द्वारा प्रशिक्षण आयोजित करने और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों की सराहना करता हूँ। वाकई बहुत अच्छा होगा कि संस्थान द्वारा कुछ प्रदर्शनियां आयोजित की जाएँ जिससे उत्पाद बेचे जा सकें वास्तव में बहुत बढ़िया काम हो रहा हैं।

अपर सचिव संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अंजना जी ने कहा कि संस्थान द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जाति, पंथ और धर्म से परे जमीनी स्तर पर किया जा रहा काम वाकई सराहनीय है। प्रतिभागियों से बातचीत से यह भी देखने को मिला कि प्रशिक्षु और खास तौर पर महिलाएं इसके माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। यह युवाशक्ति ही देश का भविष्य है इसे सकारात्मक दिशा में लगाकर आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाना होगा इन्हें आदर्श रूप में तैयार करने से ही समाज व राष्ट्र का विकास सम्भव है। कौशल दक्षता व्यक्ति की क्षमता को विकसित करती हैं, मानव पूंजी का निर्माण करती हैं और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाती हैं तथा सपनों और आकांक्षाओं को साकार रूप प्रदान करने की सुविधा देती है एवं रोजगार में वृद्धि कर आर्थिक विकास को बढ़ाती है उद्यमिता को बढ़ाने के साथ सामाजिक विकास को बढ़ाते हुए कौशल अंतर को भी कम करती है।

शैक्षणिक प्रकल्पों की वार्षिक कार्ययोजना बैठक

चित्रकूट/ वंचित शोषित समाज का उत्थान किये जाने हेतु सबसे सशक्त माध्यम शिक्षा होती है। भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की यही परिकल्पना थी कि समाज के अन्तिम पंक्ति पर खड़े हुये व्यक्ति तक विकास धारा कैसे पहुँचे। उक्त विचार दीनदयाल शोध संस्थान के द्वारा संचालित शैक्षणिक प्रकल्पों की वार्षिक कार्ययोजना बैठक में संयुक्त संचालक शिक्षा श्री कमलेश्वर प्रसाद तिवारी ने व्यक्त किये। उहोंने कहा कि पूर्व सत्र की कार्ययोजना प्रस्तुत करनी चाहिये।

इससे पूर्व दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि माइक्रो प्लानिंग से लक्ष्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि छात्र व शिक्षक अनुपालन व्यावसायिक शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा पर अधिक ध्यान देना होगा। कार्यक्रम में उपस्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कामता के पूर्व प्राचार्य श्री के.के. बाजपेई ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं में नवाचारों का प्रयोग करना आवश्यक है। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित ने भी शिक्षकों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ व्याख्याता श्री अशोक दीक्षित द्वारा किया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र के प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी ने आभार व्यक्त किया। साथ ही विद्यालय की वार्षिक कार्ययोजना का सार संक्षेप प्रस्तुत किया।

दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा शैक्षणिक प्रकल्पों के अन्तर्गत चित्रकूट में सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय में क्षेत्र के विद्यार्थी प्राथमिक, माध्यमिक एवं हायर सेकेण्डरी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वहीं रामनाथ आश्रमशाला में 300 वनवासी बालक-बालिकाओं का आवासीय विद्यालय संचालित है। चित्रकूट प्रकल्प के ही अन्तर्गत परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां में अनुसूचित जाति के 120 बालक-बालिकाओं का आवासीय विद्यालय तथा कृष्णादेवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय, मझगवां में अनुसूचित जनजाति की 120 बालिकाओं का आवासीय विद्यालय व गुरूकुल संकुल में गुरु माता-पिता के सानिध्य में 250 बालकों का आवासीय परिसर बच्चों को बहुआयामी शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस मौके पर रामनाथ आश्रमशाला, कृष्णा देवी वनवासी बालिका विद्यालय मझगवां एवं परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां के शिक्षकों ने भी वार्षिक कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया।

कृषकों को उन्नत किस्मों के बीज अरहर, तिल, मूंग एवं धान का किया गया वितरण

खरीफ फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकी पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन

गनीवां/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित तुलसी कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां एवं जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा अनुसूचित जन-जाति उप योजना अन्तर्गत वीरांगना दुर्गावती की पुण्यतिथि के अवसर पर स्वावलंबी कृषि (कृषक कार्यशाला) का आयोजन परमानन्द सभागार गनीवां में जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष श्री अशोक जाटव, बांदा कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष श्री पंकज अग्रवाल, दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, कृषि विज्ञान केंद्र चित्रकूट के प्रमुख डॉ. राजेंद्र सिंह नेगी, उप निदेशक कृषि श्री राजकुमार, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह एवं अन्य सभी कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ. राजेंद्र सिंह नेगी ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेती स्वावलम्बी बने इसके लिए स्वच्छ जल, स्वस्थ भूमि, प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाना होगा। हम जो खायें उसका उत्पादन स्वयं करें अपनी खेती में विविधता लाएं। ग्राम स्तर पर परम्परागत बीजों के संरक्षण हेतु बीज बैंकों की स्थापना करें। श्री अनिल कुमार सिंह निदेशक, जन शिक्षण संस्थान ने कहा कि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है। आधुनिक तकनीक, सरकारी योजनाओं और बढ़ती बाजार की मांग के साथ, कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एक आकर्षक और लाभदायक विकल्प हो सकता है।

फ़सल वैज्ञानिक श्री विजय गौतम ने कहा कि धान उत्पादन की उन्नत तकनीकी में किसानों के लिए आवश्यक है कि वे समय से खेत की तैयारी करें, बीज उपचार, उचित समय पर रोपाई, पोषक तत्वों का प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, रोग और कीट प्रबंधन और कटाई-गहाई शामिल हैं। इस सब बातों का ध्यान रखकर आय में वृद्धि कर सकते हैं एवं श्रम में बचत कर सकते हैं। मौसम वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि अरहर, मूंग एवं तिल की उन्नत तथा रोग प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें, बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें, सिंचित क्षेत्रों में, अगेती अरहर की बुवाई मध्य जून में एवं असिंचित क्षेत्रों में, बुवाई जुलाई के पहले सप्ताह में कर देनी चाहिए।

उद्यान वैज्ञानिक श्री पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि चित्रकूट जिले में उद्यानिकी (फल, फूल, और सब्जियों की खेती) की स्थिति और रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। किसानों को फलदार पौधों के बीज के साथ-साथ उन्हें प्रशिक्षण भी कृषि विज्ञान केंद्र एवं शासन की विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान किये जा रहे हैं। जिससे किसान अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें।

चित्रकूट जिले में खासकर पाठा क्षेत्र में किसान अब पारंपरिक खेती के तरीकों को छोड़कर आधुनिक तकनीकों को अपना रहे हैं, जिससे उनकी खेती अधिक लाभदायक हो रही है।

मृदा वैज्ञानिक श्री कमलाशंकर शुक्ला ने दलहनी फसलों में पोषक तत्वों के प्रबंधन पर कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पहलू है जो उपज और गुणवत्ता को प्रभावित करता है। संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के लिए, राइजोबियम कल्चर का उपयोग, हरी खाद का प्रयोग, और जैव उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा, कार्बनिक और अकार्बनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग भी आवश्यक है।

कृषि प्रसार वैज्ञानिक श्री उत्तम त्रिपाठी ने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन का तात्पर्य, फसल कटाई के बाद खेत में बचे हुए पौधों के हिस्सों (जैसे तने, पत्ते, डंठल) का सही तरीके से प्रबंधन करना, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करना, पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण करना, कटाव को नियंत्रित करना और कार्बन पृथक्करण को बढ़ावा देना इसका मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम के समापन सत्र में उप निदेशक कृषि श्री राजकुमार ने विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कर उससे अधिकाधिक लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया। श्री सुशील द्विवेदी ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी ने कहा कि हम अपने मूल को न भूले, कृषि स्वास्थ एवं मानव स्वास्थ्य के लिए गो पालन को अपनाना होगा। मोटे अनाजों की ओर पुनः जाना होना।

श्री अशोक जाटव जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि कृषि को उत्तम बनाने के साथ-साथ परिवार के सदस्यों को स्वावलंबी आत्मनिर्भर बनाने हेतु संस्थान द्वारा संचालित कौशल दक्षता के विभिन्न आयामों को अपनाना होगा। श्री पंकज अग्रवाल अध्यक्ष, कोऑपरेटिव बैंक ने कहा कि संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्य सभी के लिए अनुकरणीय हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए श्री अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान ने कहा कि पवित्र भारत भूमि का अतीत गौरवशाली रहा है महापुरुषों का जीवन सदैव प्रेरणास्रोत रहा है हम सभी स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनकर स्वाभिमान पूर्वक जीवन व्यतीत करें। समाज के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाकर प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य करें। रसायन मुक्त खेती, परम्परागत ज्ञान का समावेश एवं अपना खाद अपना बीज उपयोगकर कृषि को उन्नत बनाएं तथा वसुधैव कुटुम्बकम के भाव का समावेश करें।

अंत में अतिथियों द्वारा कृषकों को खरीफ फसलों के उन्नत किस्म के बीज जिसमें अरहर, तिल, मूंग एवं धान का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मानिकपुर विकासखण्ड के लगभग 125 किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. दीपेश, डॉ. सतीश पाठक, श्री अंकुर त्रिपाठी, श्री प्रभाकर मिश्रा, श्री बनारसीलाल पाण्डेय ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

11 उत्कृष्ट किसानों को 'राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख आदर्श किसान पुरस्कार' से किया गया सम्मानित

"महिला किसान आदर्श कार्य कर रहीं, देशभर में उनकी गाथा सुनाई जाएगी" — सांसद डॉ. अजित गोपछडे

अंबाजोगाई, (महाराष्ट्र)/ दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र अंबाजोगाई द्वारा आयोजित 'किसान-वैज्ञानिक सुसंवाद' कार्यक्रम ने किसानों और वैज्ञानिकों को एक साझा मंच प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यसभा सांसद डॉ. अजित गोपछडे ने किया। अपने मार्गदर्शन में उन्होंने कहा कि "बीड जिले की महिला किसान अपने आदर्श कार्य से मिसाल कायम कर रही हैं। उनकी सफलता की कहानियां पूरे देश में सुनाई जाएंगी।" उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से मराठवाड़ा क्षेत्र को डॉप्लर रडार की सुविधा मिली है, जिससे मौसम पूर्वानुमान और अधिक सटीक हो सकेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. उपेंद्र कुलकर्णी ने की। मंच पर डॉ. प्रल्हाद जायभाये, उपविभागीय कृषि अधिकारी राहुल गायकवाड, सामाजिक कार्यकर्ती सुश्री संध्या कुलकर्णी तथा केंद्र प्रमुख डॉ. वसंत देशमुख उपस्थित थे।

डॉ. देशमुख ने बताया कि किसान–वैज्ञानिक संवाद का उद्देश्य किसानों को मौसम पूर्वानुमान, फसल प्रबंधन और पूरक व्यवसायों की दिशा में मार्गदर्शन देना है।

इस अवसर पर 11 उत्कृष्ट किसानों को 'राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख आदर्श किसान पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। महिला को ऑनलाइन मार्केटिंग हेतु धनादेश और प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में प्रकाशित घड़ी पत्रिका 'प्राकृतिक आपदा प्रबंधनः आकाशीय बिजली गिरना' का लोकार्पण भी हुआ।

कृषि विज्ञान केंद्र के इस अभिनव उपक्रम ने किसान, वैज्ञानिक और समाज के बीच मजबूत सेतु का निर्माण किया, जिससे कृषि विकास की नई दिशा तय होगी।

'सुरभि' पाचक सत्वः दुग्ध उत्पादन में नवाचार की समृद्ध राह

दुधारू पशुओं के दूध की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

अंबाजोगाई, (महाराष्ट्र)/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, अंबाजोगाई तथा विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (व्हीएनआयटी), नागपुर के संयुक्त उपक्रम से बीड ज़िले में 'सुरभि' पाचक सत्व पर आधारित प्रायोगिक विधि प्रदर्शन आयोजित किए गए। इन प्रयोगों से यह स्पष्ट सिद्ध हुआ कि दुधारू पशुओं के दूध की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बीड जिले में जनवरी के उपरांत हरे चारे की उपलब्धता सीमित रहती है। ऐसे समय में किसान प्रायः पशुओं को सूखा चारा खिलाते हैं, परंतु उसकी पचनीयता कम होने के कारण दूध उत्पादन प्रभावित होता है। इसी समस्या के समाधान हेतु व्हीएनआयटी द्वारा विकसित और पेटेंट प्राप्त 'सुरभि' पाचक सत्व का उपयोग किया गया। इसे चारे में मिलाने से उसकी पचनीयता में वृद्धि हुई तथा पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादन दोनों में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दिए।

कृषि विज्ञान केंद्र, अंबाजोगाई ने परळी (वै.) और केज तहसील के 11 चयनित किसानों के खेतों पर यह प्रयोग किया। कार्यशालाओं के माध्यम से किसानों को मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। जुलाई माह के परीक्षणों ने उत्साहवर्धक परिणाम दिए—कहीं दूध की मात्रा बढ़ी तो कहीं उसकी गुणवत्ता (फॅट और एस एन एफ) में सुधार हुआ। पशुओं की पाचन क्रिया भी बेहतर स्वस्थ हुई।

दौनापूर (ता. परळी वै.) के

प्रगतिशील किसान श्री चंद्रप्रकाश मिटकरी ने बताया —"प्रतिदिन 1 रुपए प्रति पशु की लागत से सुरभि सत्व के प्रयोग से मेरी तीन भैसों का दूध न केवल बढ़ा बल्कि दर्जा भी सुधरा। हर महीने लगभग 3 हजार रुपये अधिक का मुनाफा हो रहा है।"

"सुरभि" सचमुच किसानों के लिए समृद्धि का नया सूत्र सिद्ध हो रहा है।

आरोग्यधाम में मानस पाठ पूजा एवं भण्डारा के साथ हुआ श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन

पिछले १३ वर्षों से आरोग्यधाम में हो रहा है गणेश उत्सव का आयोजन

चित्रकूट / हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के आरोग्यधाम एवं दीनदयाल परिसर में गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। गणेश उत्सव आयोजन समिति के व्यवस्थापक इंजी. राजेश त्रिपाठी एवं डॉ. अशोक तिवारी बताते हैं कि आरोग्यधाम में 2003 से गणेश उत्सव की शुरूआत की गई है, उस समय चित्रकूट क्षेत्र में गणेश उत्सव की ज्यादा परम्परा नहीं थी। यह 23 वाँ वर्ष है। अब जगह-जगह महाराष्ट्र की तर्ज पर गणेश उत्सव की धूम हो गई है।

आरोग्यधाम में श्री गणेश उत्सव के नौवें दिन श्री राम चरित मानस पाठ का आयोजन हुआ। आरोग्यधाम में गणेश प्रतिमा की अद्भुत छटा देखने के लिये स्थानीय लोगों की बहुत भीड़ लगती है। इस दौरान भजन, रामायण, गणपति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आराध्य देव गणपति की आराधना पूरे विधि-विधान से की गई। परम्परा के मुताबिक भक्तगण मानते हैं कि भगवान गणेश मनुष्य के अंदर अच्छे गुणों के संस्कारी भगवान है उनकी पूजा करने से मनुष्य के अन्दर के संस्कार खुद व खुद

खिलने लगते हैं। प्रतिदिन बदल-बदलकर भगवान गणेश के विभिन्न स्वरूपों की झांकी सजाई जाती है। दिन रात गणपति बप्पा मोरया व जय गणेश जय गणेश देवा लड्डू के भोग लगै संत करें सेवा के गीतों से परिसर गुंजायमान होते हैं।

दस दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव की शुरुआत गणेश चतुर्थी के दिन गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम परिसर एवं दीनदयाल परिसर के गुरुकुल संकुल, उद्यमिता विद्यापीठ, सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय में हुई।

दीनदयाल शोध संस्थान के गणेश उत्सव आयोजन समिति के सदस्यों के अनुसार गणेश प्रतिमा की अद्भुत छटा देखने के लिए शाम को श्रद्धालुओं का खूब जमघट रहता है तथा गणेश झांकी के प्रतिदिन बदलते स्वरूप को देखने एवं विद्युत की लपझप करती रंग-बिरंगी झालरें व पेड़ पौधों की सजावट के साथ गणेशोत्सव परिसर को अनुपम रूप देने पर लोगों की खासा रुचि इस ओर बढ़ रही है। आरोग्यधाम में गणेश पंडाल को झोपड़ी का स्वरूप देकर बीच में गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। जिसका नजारा व स्वरूप मन को मोह लेने वाला है। उत्सव के दसवें दिन भंडारा का आयोजन किया गया, उसके बाद श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन संपन्न हुआ।

कृषि विज्ञान केन्द्र में पाँच दिवसीय प्राकृतिक कृषि पर कृषि सखियों का प्रशिक्षण, 50 कृषि सखियों की रही सहभागिता

प्राकृतिक खेती के लिए एक बगिया माँ के नाम तैयार कर घर के बच्चों को भी करें शामिल - मंत्री प्रतिमा बागरी

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केन्द्र, मझगवां, सतना में नेशनल मिशन ऑन नैचुरल फार्मिंग के अन्तर्गत कृषि सखियों हेतु पाँच दिवसीय प्राकृतिक कृषि पर कृषि तकनीकी प्रबंधन संस्था (आत्मा) सतना, कृषि कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सतना एवं कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां के संयुक्त तत्वावधान में आवासीय प्रशिक्षण दिनांक 1 से 5 सितम्बर तक आयोजित किया गया।

जिसमें प्राकृतिक खेती पर सैद्धांतिक एवं प्राकृतिक पहलुओं पर केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। जिसका समापन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मा. प्रतिमा बागरी, राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास मध्य प्रदेश एवं अतिथि मा. रेणुका जायसवाल, अध्यक्ष, जनपद पंचायत मझगवॉ, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री जयनारायण पाण्डेय एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. नवीन कुमार शर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, मझगवां की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के शुभारम्भ में सभी अतिथियों ने भारत माता, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी एवं राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का

शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्राकृतिक खेती के प्रमुख घटक एवं प्रशिक्षण मोड्यूल विषय पर पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। सर्वप्रथम वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. नवीन कुमार शर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, मझगवां द्वारा प्रशिक्षण के विषय में जानकारी दी गई तदुपरान्त कृषि सखियों के प्रशिक्षण के सन्दर्भ में अभिमत लिए गए, जिसमें कृषि सखियों नें प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की।

समापन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित मा. रेणुका जायसवाल द्वारा कहा गया कि प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है जिसमें कृषि सखी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मुख्य अतिथि मा. प्रतिमा बागरीजी ने कहा कि कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती पद्धति में घर के आसपास एवं घर में उपलब्ध संसाधनों से ही प्राकृतिक खेती बिना रसायन एवं देशी बीजों का उपयोग करते हुए अपने खाने एवं व्यावसायिक रूप से उत्पादन करके स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पाद तैयार करके स्वयं एवं समाज के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके साथ ही एक बगिया माँ के नाम तैयार कर घर के बच्चों को भी सम्मिलित करना चाहिए। कार्यक्रम में 50 कृषि सखियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के प्रसार वैज्ञानिक श्री पंकज शर्मा ने किया, साथ ही केन्द्र के समस्त कार्यकर्त्ताओं का पूर्ण सहयोग रहा।

"विकसित भारत – विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत – आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश, संकल्प-2047" के तहत जिला स्तरीय बैठक

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों की आत्मनिर्भरता के लिए सुझाईं कई तकनीकें

चित्रकूट/ कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवां, चित्रकूट में "विकसित भारत – विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत – आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश, संकल्प-2047" के अंतर्गत केवीके गनीवां के सभागार में एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने की।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अमृतपाल कौर, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री जगतराज, महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. रामचंद्र सिंह, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा के प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र कुमार, कृषि विभाग एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक श्री उत्तम कुमार त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर उप निदेशक कृषि श्री राजकुमार ने जिले की कृषि स्थिति, उत्पादन एवं चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि जिले में "श्री अन्न" का उत्पादन उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है।

केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. राजेंद्र सिंह नेगी ने जिले की औसत पैदावार, प्रमुख फसलों का क्षेत्रफल, आधुनिक कृषि तकनीकों की आवश्यकता, 1.5 एवं 2.5 एकड़ मॉडल प्रणाली, किसानों की आय में पशुपालन, मत्स्यपालन और उद्यानिकी के योगदान, बदलते मौसम का प्रभाव एवं कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। बैठक में किसानों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने जिले में वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज, पॉलीहाउस, केंचुआ खाद, फ्लोरीकल्चर को बढ़ावा देने तथा एफपीओ को सरकारी दर पर डीएपी व यूरिया उपलब्ध कराने की मांग रखी।

समापन सत्र में डॉ. रामचंद्र सिंह ने विदेशी तकनीकों के भारतीयकरण पर बल दिया, जबकि डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने इकोनॉमी होल्डिंग, बीज प्रतिस्थापन, जैविक खेती, बीज शोधन एवं मोटे अनाज (मिलेट्स) उत्पादन पर विचार रखे। श्री जगतराज ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु मार्केट लिंकिंग, एकीकृत खेती प्रणाली और अन्ना प्रथा पर सुझाव दिए।

मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अमृतपाल कौर ने कृषि को आय वृद्धि का प्रमुख साधन बताते हुए हर व्यक्ति की आय बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। अध्यक्षता कर रहे संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने "हरेक खेत-खलिहान योजना", नस्ल सुधार, जलवायु अनुकूल खेती और भूमि की उर्वरता के समुचित उपयोग को आत्मनिर्भर किसान बनाने का आधार बताया और किसानों से संकल्प-2047 की दिशा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास द्वारा 'अरण्यवासी श्रीराम व्याख्यानमाला'

चित्रकूट सती एवं तप, त्याग की भूमि है इसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता

चित्रकूट/ मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, भोपाल द्वारा उद्यमिता विद्यापीठ, दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में 'अरण्यवासी श्रीराम व्याख्यानमाला' - ''शाश्वतम्'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में गायत्री शक्तिपीठ के प्रबंधक डॉ. रामनारायण त्रिपाठी, चित्रकूट के प्रसिद्ध कथावाचक नवलेश दीक्षित, जानकी महल के महंत सीता शरण दास जी, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ भरत मिश्रा, बांदा चित्रकूट के पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित, नगर परिषद चित्रकूट की अध्यक्ष साधना उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अमित यादव उप संचालक श्रीरामचन्द्र पथ गमन न्यास द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गए। अपने उद्बोधन में प्रसिद्ध कथावाचक नवलेश दीक्षित ने कहा कि ब्रह्मांड का सबसे बड़ा तीर्थ चित्रकूट है ,साथ ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम स्वयं धर्म के स्वरूप हैं। प्रभु राम का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि परिस्थितियां कैसी भी हो मनःस्थिति अच्छी होनी चाहिए जिससे सभी लड़ाइयां हम जीत लेंगे। राम के जीवन का प्रत्येक कार्य दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो आत्म-सुधार और बेहतर समाज के निर्माण का संदेश देता है। प्रभु राम ने सत्य, प्रेम, करुणा और समतामूलक समाज की स्थापना पर जोर दिया है, जिसका उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता है। आज का युवा भौतिकता के विकास की ओर ज्यादा भाग रहा है जबकि आध्यात्मिक विकास में पीछे होता जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हम भौतिकता की अंधी दौड़ में शामिल न होकर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास के मॉडल को अपनाएं।

कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा ने कहा कि जन जन के हृदय में विराजने वाले राम है, राम सबके आराध्य हैं। राम जी चित्रकूट नहीं आते तो वह सिर्फ राजा राम होते ना कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान प्रभु श्रीराम, मर्यादाओं का

उल्लंघन कभी न करने का पाठ हमें प्रभु राम से ही सीखने को मिलता है। राम ने सभी को स्वाभिमानी एवं स्वावलम्बी बनाने का कार्य किया उन्होंने जनमानस की ताकत और समर्थ का परिचय कराया जिससे समाज एकजुट होकर आत्मनिर्भर बना।

महंत सीताशरण दास जी ने कहा कि राम ने राक्षसों के विनाश के लिए वनवास नहीं लिया वह तो अपने संकल्प मंत्र से संघट का कार्य कर सकते थे, प्रभु राम ने सामाजिक समन्वय एवं समरसता के लिए वनवास को ग्रहण किया है हमें सबको उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर अपने सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन को बेहतर बनाना चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखते हुए डॉ. रामनरायण त्रिपाठी प्रबंधक गायत्री शक्तिपीठ ने कहा कि चित्रकूट की महिमा का वर्णन शब्दों में व्यक्त नही किया जा सकता है यह सती की भूमि है तप एवं त्याग की भूमि है। राम ने सत्य, दया, करुणा, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलते हुए राज किया, इन्हीं गुणों की वजह से उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। यदि यह कहा जाए कि दशरथ नन्दन राम को मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम इस पवित्र भूमि चित्रकूट ने बनाया तो अतिशय नही होगा।

राम का जीवन धर्म का सूत्र बन जाता है, राम ने सभी संस्कृतियों एवं सभ्यताओं के बीच समन्वय का कार्य किया। उन्होंने दण्डकारण्य को पवित्र किया। राम का जीवन चरित्र मानव सभ्यता के विकास के लिए अनुकरणीय है।

राम का जीवन दर्शन केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि सत्य, मर्यादा, धर्म और मानवतावादी मूल्यों का एक व्यावहारिक आचरण है, जो रामायण जैसे महान महाकाव्य के माध्यम से भारतीय सभ्यता को प्रेरित करता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि चित्रकूट का महात्म्य चारों युगों में रहा है।

राम का जीवन दर्शन मुख्य रूप से 'मर्यादा' पर आधारित है, जिसे वह पुत्र, पति, भाई और राजा के रूप में पूरी निष्ठा से निभाते हैं, और 'धर्म' के सिद्धांतों का पालन करते हैं। जो हर इंसान के हृदय में निवास करता है और सत्य, धर्म, मर्यादा जैसे सात्विक गुणों का प्रतीक है। "राम" नाम सभी आंतरिक बुराइयों (जैसे आलस, क्रोध, मोह) को दूर करता है और आत्मा के आंतरिक प्रकाश को जागृत करता है, जिससे व्यक्ति को परम संतुष्टि और आनंद की प्राप्ति होती है। सम्पूर्ण जनमानस की अपेक्षाएं है कि धर्मनगरी का विकास उसके मूलस्वरूप को बरकरार रखते हुए किया जाए।

भारत अनादिकाल से अपने गौरवशाली परम्परा सांस्कृति एवं सभ्यता के कारण विश्व गुरू, विश्व बन्धुत्व का केंद्र रहा है।

दीनदयाल आईटीआई एवं आरोग्यधाम के रसशाला में धूमधाम से मनाई गई भगवान विश्वकर्मा जयंती

दीनदयाल शोध संस्थान के कर्मशाला एवं प्रयोगशालाओं में मशीनों, उपकरणों की हुई पूजा

चित्रकूट/ आदि शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती दीनदयाल शोध संस्थान के प्रकल्प उद्यमिता विद्यापीठ, दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं आरोग्यधाम परिसर में स्थापित रसशाला तथा आयुर्वेद सदन, हर्बल गार्डन एवं जन शिक्षण संस्थान में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के सभी कर्मशाला एवं प्रयोगशालाओं में मशीनों, उपकरणों की पूजा की गई।

इस मौके पर हवन पूजन और आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के निर्माणकर्ता हैं, इसलिए डीआरआई में सभी उत्पादन सह प्रशिक्षण इकाइयों में एवं तकनीकी संस्थाओं में प्रतिवर्ष जयंती पर उपकरणों का पूजन कर कार्यक्रम किए जाते हैं। यह कार्यक्रम उत्साह से मनाया जाता है। इस दौरान कर्मशाला और प्रयोगशाला में उपकरणों की साफ सफाई एवं सजावट की जाती है।

पूजन कार्यक्रम संपन्न कराते हुए भागवत एवं ज्योतिषाचार्य पंडित राम विशाल शुक्ल बताते हैं कि शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि विश्वकर्मा जयंती पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से कारोबार में वृद्धि होती है। धन-धान्य और सुख-समृद्धि के लिए भगवान विश्वकर्मा की पूजा करना आवश्यक और मंगलदायी है। इस दिन उद्योगों, फैक्ट्रियों और मशीनों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन विश्वकर्मा पूजा करने से खूब तरक्की होती है और कारोबार में मुनाफा होता है। पूजन कार्यक्रम में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन सहित सभी प्रकल्प प्रभारियों व प्रशिक्षण शालाओं से जुड़े कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

दीनदयाल आईटीआई के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को दीक्षांत समारोह में दिया प्रशस्ति पत्र

हर क्षेत्र में कौशल विकास के लिए आईटीआई की जरूरत - श्री अभय महाजन

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा राष्ट्रीय एवं राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए संचालित दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में भगवान् विश्वकर्मा जंयती अवसर पर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन एवं महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा, डॉ अनिल जायसवाल महाप्रबंधक दीनदयाल शोध संस्थान उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रीशियन, फिटर, कोपा, प्लंबर, स्विंग आदि प्रशिक्षण ट्रेडों के छात्र छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गये। साथ ही सबके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। कार्यक्रम का संचालन उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक श्री मनोज सैनी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की रूपरेखा दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण के प्राचार्य श्री संजय दुबे द्वारा प्रस्तुत

की गई।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि तकनीकी शिक्षा वर्तमान की बेहतर शिक्षा है। हर क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा अपनाई जा रही है, कौशल विकास के लिए आईटीआई की जरूरत है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी शिक्षा, कंप्यूटर की महत्ता और रोजगार के अवसरों की जानकारी देते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा ने कहा कि नाना जी द्वारा स्थापित दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में बहुत कुछ सीखने को मिलता है, माननीय प्रधानमंत्री जी का यही सपना है कि तकनीकी ज्ञान को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने छात्रों को तकनीकी ज्ञान में आगे बढ़कर काम करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में दीनदयाल आईटीआई के प्रशिक्षक श्री छोटेलाल जी, श्री नरेन्द्र सिंह, श्री रितेश गुप्ता, श्री अभिषेक सिंह एवं सुश्री प्रीति देवी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा भी अपना अपना अनुभव कथन बताया गया जिसमें सबसे प्रथम श्री आशीष राय ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

आनंद का विरुद्धार्थी शब्द न होना, उसकी पूर्णता का प्रतीक - श्री अभय महाजन

राज्य आनंद संस्थान की तीन दिवसीय आनंद सहयोगी कार्यशाला

सीधी,मऊगंज और, सिंगरौली जिले के अधिकारी एवं कर्मचारी हुए सम्मिलित

चित्रकूट/ राज्य आनंद संस्थान भोपाल द्वारा दीनदयाल शोध संस्थान उद्यमिता विद्यापीठ चित्रकूट में मध्य प्रदेश शासन के अधिकारी कर्मचारी हेतु तीन दिवसीय आनंदम सहयोगी कार्यशाला दिनांक 17 से 19 सितंबर 2025 दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के साथ जन अभियान के जिला समन्वयक डॉ राजेश तिवारी प्रशिक्षण संयोजक के रूप में उपस्थित रहे। अन्य मंचासीन अतिथियों में मास्टर ट्रेनर श्री लखन लाल असाटी, श्री राकेश अग्रवाल, श्रीमती स्मृति काले, श्रीमती श्रद्धा दुबे मंचस्थ रहे।

अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदोपरांत मंच पर उपस्थित अतिथियों के स्वागत में राज्य आनंद संस्थान के प्रतिनिधियों द्वारा श्री महाजन जी का अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में श्री अभय महाजन द्वारा बताया गया कि नागरिकों की खुशहाली एवं बेहतर जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता आवश्यक है। राज्य का पूर्ण विकास नागरिकों की मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक उन्नति तथा प्रसन्नता से ही संभव है। नागरिकों के लिये इस प्रकार का वातावरण करने के उद्देश्य से आनंद विभाग इस तरह की कार्यशाला हेतु निरंतर प्रयत्नशील है और दीनदयाल शोध संस्थान के प्रांगण में आयोजित यह कार्यशाला शासन के उद्देश्यों को पूर्ण करने में पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भारत रत्न राष्ट्रऋषि पूज्य नाना जी के संस्मरणों को साझा करते हुए कहा कि मैं सभी से आग्रह करता हूं कि भगवान राम की इस तपोभूमि और नाना

जी की कर्मभूमि की ऊर्जा को अवश्य आत्मसात करें। तथा इस कार्यशाला में पूरी तन्मयता से नाना जी के घर में हिस्सेदारी करें।

आनंद संस्थान के प्रशिक्षण संयोजक डॉ राजेश तिवारी द्वारा बताया गया कि अपनी स्थापना के समय से ही राज्य आनंद संस्थान, प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए सतत कार्यरत है। संस्थान का यह दृढ़ विश्वास है कि सुख बाहरी प्रभाव नहीं, बल्कि एक आंतरिक अनुभूति और एक स्वाभाविक अवस्था है, जिसे सही दृष्टिकोण, जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इसी दिशा में कार्य करते हुए, संस्थान अपने विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और आनंदम गतिविधियों से नागरिकों में सकारात्मकता और आत्मिक आनंद की भावना विकसित करने का प्रयास कर रहा है। परिसर पर आयोजित इस द्वितीय कार्यशाला में सीधी, सिंगरौली और मऊगंज जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए हैं जिनका नामांकन स्थानीय जिलों के कलेक्टर द्वारा किया गया है। आतंरिक आनंद की अनुभूति, आनंद और स्वास्थ्य के बीच संबंध, खुशहाल परिवार एवं कार्यक्षेत्र में बेहतरी के साथ आनंद की अनुभूति और दायित्व निर्वहन में समन्वय आदि विषयों के साथ यह कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए उपयोगी रहेगी। उदघाटन सत्र का संचालन मास्टर ट्रेनर श्री राकेश अग्रवाल द्वारा किया गया वही प्रार्थना का प्रस्तुतिकरण श्रीमती श्रद्धा दुबे द्वारा किया गया।

इसके उपरांत सत्र आनंद की ओर, जीवन का लेखा जोखा आयोजित हुए जिसमें उपस्थित 64 प्रतिभागियों द्वारा पूरी तन्मयता के साथ सहभागिता की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीनदयाल शोध संस्थान के श्री मनोज सैनी, आनंदम सहयोगी संजू मिश्रा, श्री सुमित प्रजापति की महत्वपूर्ण भागीदारी एवं सहयोग रहा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती

ग्रामीण क्षेत्रों में सभी स्वावलंबन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर एकात्म मानवदर्शन संदेश के साथ हुए कई कार्यक्रम

25 सितंबर दीनदयाल जी की जयंती से 11 अक्टूबर भारत रत्न नानाजी देशमुख के जन्मदिवस तक "ग्रामोदय पखवाड़ा" का आयोजन

चित्रकूट 25 सितम्बर/ भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख ने 1968 में पं. दीनदयाल उपाध्याय के निर्वाण के उपरांत दीनदयाल स्मारक समिति बनाकर उनके अधूरे कार्यो को पूर्ण करने के लिये दिल्ली में इसकी नींव रख दी थी। श्रद्धेय नानाजी ने 42 वर्ष में दीनदयाल स्मारक समिति से लेकर दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना तक के सफर में पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन के विचारों को व्यावहारिक रूप से धरातल पर उतारने का काम सामूहिक पुरूषार्थ से करके दिखाया। दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के कार्यकताओं द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109 वी जयंती पर एकात्म मानवदर्शन का संदेश पहुंचाकर कई कार्यक्रम किये।

दीनदयाल परिसर, उद्यमिता विद्यापीठ चित्रकूट के दीनदयाल पार्क में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातःकाल से ही संस्थान के विविध प्रकल्प गुरुकुल संकुल, उद्यमिता विद्यापीठ, सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय, रामदर्शन, आईटीआई एवं आरोग्यधाम के कार्यकर्ताओं द्वारा अलग-अलग एकत्रित होकर पं. दीनदयाल पार्क उद्यमिता परिसर में स्थापित पं. दीनदयाल जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया गया एवं इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों को दैनिक जीवन मे आत्मसात करने हेतु मंचन भी किया

गया। इस कार्यक्रम में दिगंबर अखाड़ा के महंत श्री दिव्य जीवन दास महाराज, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा ने कहा कि पं. दीनदयाल जी का विचार दर्शन और जीवन हम सबके लिये प्रेरणादायी है। दीनदयाल जी के विचार दर्शन पर कार्य करने वाले प्रत्यक्ष युगदृष्ट्या कोई थे तो वे श्रद्धेय नानाजी देशमुख थे। जिन्होंने ग्रामीण परिवेश को ध्यान में रखकर दीनदयाल जी के विचारों को मूर्त रुप प्रदान किया।

अपने आशीर्वचनों में दिगंबर अखाड़ा के महंत श्री दिव्य जीवन दास महाराज ने कहा कि पं. दीनदयाल जी के विचारों से संकलित नानाजी ने जो कार्य खड़ा किया है। वह हमारे सामने है, समर्पित भाव से समाज के इस प्रभावी आन्दोलन के रूप में अपने जीवन को नानाजी ने समर्पित किया है। इस मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान के सभी प्रकल्पों के प्रभारी व चित्रकूट नगर के गणमान्य लोगों ने पंडित दीनदयाल जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया।

वहीं जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों में दीनदयाल जयंती पर कार्यक्रम हुए, इसके अलावा कृष्णा देवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय मझगवां, परमानन्द आश्रम पद्धति आवासीय विद्यालय गनीवां, कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां एवं गनीवां परिसर तथा रामनाथ आश्रमशाला चित्रकूट में

व्याख्यानमाला कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चित्रकूट जनपद के ग्राम मगरहाई में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया और सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के इसी एकात्म मानववाद विचार और उनके लक्ष्य को सतत् आगे बढ़ाने हेतु उनकी स्मृति में दीनदयाल शोध संस्थान में 25 सितंबर दीनदयाल जी की जयंती से 11 अक्टूबर भारत रत्न नानाजी देशमुख के जन्मदिवस तक "ग्रामोदय पखवाड़ा" का कार्यक्रम मनाया जाएगा। जिसके अंतर्गत सभी प्रकल्पों के माध्यम से ग्राम आबादियों तक स्वच्छता, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पर्यावरण आदि विभिन्न विषयों पर जन जागरुकता के साथ प्रतियोगिताओं सहित स्वास्थ्य गोष्ठियां और कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। पंडित दीनदयाल जयंती का कार्यक्रम दीनदयाल शोध संस्थान के सभी प्रकल्पों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी सभी स्वावलंबन केंद्रों पर समाज शिल्पी दंपतियों व सहयोगी कार्यकर्ताओं के माध्यम से श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

कृषकों को आधुनिक कृषि की तकनीकियों एवं जैविक आदानों की जानकारी व सुविधा प्रदान हेतु केवीके में हुआ प्रशिक्षण

केवीके में अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत कृषकों को आधुनिक कृषि उपकरण किए गए वितरित, 13 गांव से 107 कृषकों की रही उपस्थिति

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र सतना में अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत कृषकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं आदान वितरण किया गया। राष्ट्रीय एकीकृत नासिक जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान एनआरआईपीएम के संबंध में दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र सतना द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मझगवां विकासखंड के 13 गांवों से 107 कृषकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि की तकनीकियों से अवगत कराना एवं उन्हें खेती के उपयोगी आवश्यक यंत्र एवं जैविक आदानों की जानकारी एवं सुविधा प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान किसानों को स्प्रे मशीन, खरपतवार नियंत्रण यंत्र, खुरपी, ट्राइकोडर्मा, फेरोमन ट्रैप जैसे आधुनिक कृषि उपकरण एवं आदान वितरित किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. मुकेश सहगल रहे, विशिष्ट अतिथि डॉ. अजंता बिराहा नोडल अधिकारी अनुसूचित जाति उपयोजना एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित द्वारा की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं किसानों को तकनीकी जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश जागरे द्वारा दी गई। केंद्र के सस्य वैज्ञानिक डॉ. अजय चौरसिया द्वारा जायद की फसलों उत्पादन तकनीकी एवं उनमें लगने वाले समन्वित कीट प्रबंधन विस्तार से जानकारी दी गई एवं केंद्र उद्यानिकी के वैज्ञानिक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा गर्मियों में उगाई जाने वाली सब्जिओं उत्पादन तकनीकी पर विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित द्वारा प्रशिक्षण में आए कृषकों का संस्थान की गतिविधियों एवं कार्ययोजना के साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु कृषकों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मुकेश सहगल द्वारा संबंधित कीट प्रबंधन की नई उन्नत तकनीकियों के बारे में जानकारी दी गई एवं कैसे फेरोमेन ट्रैप, सोलर ट्रैप, ट्राईकोडरमा आदि का उपयोग करके हम खेती को रसायन मुक्त बना सकते हैं एवं लागत को कम कर सकते हैं। डॉ. अजंता बिरहा प्रधान वैज्ञानिक एवं अनुसूचित उप योजना की नोडल अधिकारी द्वारा इस परियोजनाओं का क्षेत्र विस्तार करने के लिए जोर दिया गया साथ में जिले के अनुसूचित जाति के कृषकों को अधिक से अधिक समन्वित कीट प्रबंधन एवं जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण में आए सभी कृषक एवं कृषक महिलाओं को आदान वितरण किया गया एवं अतिथियों के द्वारा केंद्र की गतिविधियों एवं जीवंत इकाइयों का भ्रमण किया गया।

प्रबंध समिति 2025-2030 – दीनदयाल शोध संस्थान

मा. सुरेश जी सोनी-संपर्क अधिकारी

1. डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना
   अध्यक्ष
2. श्री उत्तम कुमार बनर्जी
   उपाध्यक्ष
3. श्री अतुल जैन
   उपाध्यक्ष
4. श्री राम अवतार अग्रवाल
   उपाध्यक्ष
5. डॉ. अनुपम मिश्रा
   उपाध्यक्ष
6. श्री निखिल प्रभाकर मुंडले
   प्रधान सचिव
7. श्री अभय महाजन
   संगठन सचिव
8. श्री राजेश महाजन
   सचिव
9. श्री मनुवीर अग्रवाल
   सचिव
10. श्री भूपेंद्र सिंह
    सचिव
11. श्री अपराजित चंद्रभान शुक्ला
    सचिव
12. श्री वसंत राज पंडित
    कोषाध्यक्ष
13. डॉ. उपेंद्र दत्तात्रेय कुलकर्णी
    सदस्य-प्रबंध समिति
14. डॉ. विक्रम प्रसाद पांडे
    सदस्य-प्रबंध समिति
15. श्री ज्योति प्रकाश मस्करा
    सदस्य-प्रबंध समिति
16. सौ. अनुजा आनंद परचुरे
    सदस्य-प्रबंध समिति
17. श्री सौम्य अग्रवाल
    सदस्य-प्रबंध समिति
18. डॉ. वीरेंद्र जायसवाल
    सदस्य-प्रबंध समिति
19. श्री नरेंद्र गुप्ता
    सदस्य-प्रबंध समिति
20. श्री जयदेव योगेश ताम्रकर
    सदस्य-प्रबंध समिति
21. श्री उमाशंकर पांडे
    सदस्य-प्रबंध समिति
22. श्री पन्नालाल भंसाली
    सदस्य-प्रबंध समिति
23. श्री अमिताभ वशिष्ठ
    पदेन सदस्य-मुख्य कार्यपालन अधिकारी
24. डॉ. अनिल जायसवाल
    पदेन सदस्य-महाप्रबंधक-चित्रकूट प्रकल्प
25. सौ. मीरा अरविंद खडक्कर
    पदेन सदस्य-नागपुर प्रकल्प प्रभारी
26. श्री रामकृष्ण तिवारी
    पदेन सदस्य-गोंडा प्रकल्प प्रभारी
27. डॉ. अशोक पांडे
    पदेन सदस्य
    ग्राम स्वावलंबन अभियान प्रभारी
28. श्री जयदीप ढोंढियाल
    पदेन सदस्य-निदेशक, जेएसएस गोंडा
29. श्री गंगाधर किसानराव देशमुख
    पदेन सदस्य-निदेशक, जेएसएस बीड
30. श्री अनिल कुमार सिंह
    पदेन सदस्य-निदेशक,
    जेएसएस चित्रकूट
31. डॉ. राजेंद्र सिंह नेगी
    पदेन सदस्य-प्रभारी, केवीके चित्रकूट
32. डॉ. नवीन शर्मा
    पदेन सदस्य-प्रभारी, केवीके सतना
33. डॉ. चंद्रमणि त्रिपाठी
    पदेन सदस्य-प्रभारी, केवीके गोंडा
34. डॉ. वसंत देशमुख
    पदेन सदस्य-प्रभारी, केवीके बीड
35. श्री गिरीश शाह
    सदस्य-साधारण सभा
36. श्री प्रभात कुमार
    सदस्य-साधारण सभा
37. श्री सुनील जायसवाल
    सदस्य-साधारण सभा
38. श्री राज कुमार भारद्वाज
    सदस्य-साधारण सभा
39. श्रीमती कुमुद सिंह
    सदस्य-साधारण सभा
40. डॉ. सीमा जोशी
    सदस्य-साधारण सभा
41. श्री राजेंद्र सिंह
    सदस्य-साधारण सभा
42. श्री संजीव कुमार
    सदस्य-साधारण सभा
43. डॉ. उमेश शर्मा
    सदस्य-साधारण सभा
44. श्री आशीष सक्सेना
    सदस्य-साधारण सभा
45. श्री हेमंत पांडे
    सदस्य-साधारण सभा
46. श्री निशिर सिकदर
    सदस्य-साधारण सभा
47. श्रीमती गोदावरी देवी
    सदस्य-साधारण सभा
48. श्री सुरेश बुगालिया
    सदस्य-साधारण सभा
49. श्री चैतन्य माधव भागवत
    सदस्य-साधारण सभा
50. डॉ. अजीत नारायण गुंजीकर
    सदस्य-साधारण सभा
51. डॉ. मिलिंद शशिशेखर देवगांवकर
    सदस्य-साधारण सभा
52. श्री रिपु दमन सिंह भारद्वाज
    सदस्य-साधारण सभा
53. श्री प्रकाश सोमनाथ टिकारे
    सदस्य-साधारण सभा
54. डॉ. उपेंद्र नाथ सिंह
    सदस्य-साधारण सभा
55. श्री सूरज कुमार
    सदस्य-साधारण सभा
56. डॉ. शरद कुमार श्रीवास्तव
    सदस्य-साधारण सभा
57. डॉ. प्रमोद कुमार नीमा
    सदस्य-साधारण सभा
58. डॉ. नरेश कुमार शर्मा
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
59. श्री सूर्यकांत जालान
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
60. डॉ. ओम शंकर त्रिपाठी
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
61. श्री पुनीत सोहल
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
62. श्री संजीव नय्यर
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
63. श्री करण पॉल
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
64. डॉ. नितिन भरत धर्मराव
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
65. श्री इम्तियाज अली
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
66. श्री आदित्य खन्ना
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
67. श्रीमती नीतू सिंह
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
68. श्री संजय कुमार सराफ
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
69. श्री विवेक सक्सेना
    सदस्य-विशेष आमंत्रित
70. श्री संजीव गुप्ता
    सदस्य-विशेष आमंत्रित

जोधपुर में पूज्य संत श्री श्री 1008 सैनाचार्य स्वामी श्री अचलानंद गिरि महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन, इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री आलोक कुमार भी उपस्थित रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान एवं एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान व विकास प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में 15 अगस्त को "द्वि राष्ट्रवाद के संदर्भ में मुस्लिम लीग बनाम मोमिन कांफ्रेंस" विषय पर अखंड भारत परिसंवाद का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी रहे। इस दौरान श्री शमीम अंसारी जी (संयोजक, अ. भा. पसमांदा मुस्लिम महाज) और डा. हिमांशु राय जी (प्रोफेसर, जे एन यू) के विचार भी सुनने को मिले। प्रस्तावना प्रसिद्ध विचारक डा. महेश चंद्र शर्माजी ने रखी।

सिंगटाम, सिक्किम में स्थित मेधावी स्किल यूनिवर्सिटी का दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने भ्रमण कर वहाँ संचालित विभिन्न कौशल्य विकास के पाठ्यक्रमों की जानकारी ली। इस दौरान संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमिताभ वशिष्ठ ने उत्तीर्ण छात्रों हेतु रोजगार की उपलब्धता के विषय में विश्वविद्यालय के प्रबंधन से चर्चा की।

आरएनआई नं. दिल्ली-एन/2002/7201

गुरुकुल संकुल

दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट सतना (मध्य प्रदेश)

बालकों के लिए शैक्षणिक व्यवस्था युक्त आवासीय परिसर
शिक्षित वानप्रस्थी दंपतियों की आवश्यकता है।

जिनकी अहर्ताएं निम्नलिखित हैं :-

- दंपति को शिक्षित, ऊर्जावान, संवेदनशील एवं सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित होना चाहिए।
- दंपति की आयु लगभग 60 वर्ष की होनी चाहिए और शारीरिक, मानसिक रूप से स्वस्थ एवं पारिवारिक दायित्व से मुक्त हो।
- कक्षा 6 से 12 तक को कम-से-कम एक विषय में शिक्षण की योग्यता रखते हों। शिक्षकों को इस हेतु वरीयता दी जाएगी।
- प्रत्येक दंपति की भोजन एवं आवासीय व्यवस्था संस्थान निःशुल्क करेगा, इसके अतिरिक्त संस्थान के नियमों के अंतर्गत मानदेय भी दिया जाएगा।
- शैक्षणिक योग्यता की छाया प्रतियों के साथ आवेदन पत्र सादे पृष्ठ पर निम्नलिखित पते पर भेजें।

–: प्रभारी :–

गुरुकुल संकुल, दीनदयाल शोध संस्थान
चित्रकूट, जिला सतना (म.प्र.) दूरभाष : 07670-265353, 265528
ईमेल : drichitrakoot@chitrakoot.org